डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 132 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार, 20 अप्रैल 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

दिल्ली के सीलमपुर में युवक की हत्या के बाद तनाव

- परिजन का आरोप-कई मुस्लिम लड़कों ने रंजिश में मारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सीलमपुर इलाके में गुरुवार शाम करीब 8 बजे 17 साल के युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। इससे इलाके में तनाव है।

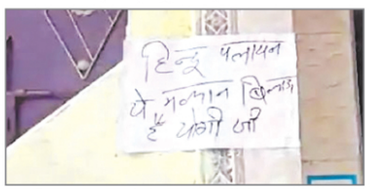

परिजन और स्थानीय लोग सड़क पर चक्काजाम करके प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका आरोप है कि मुस्लिम लड़कों ने पुरानी रंजिश में हत्या की है। उधर, सीलमपुर में रहने वाले परिवारों ने घरों के बाहर हिंदू पलायन के पोस्टर लगाए हैं। पीएम मोदी और सीएम योगी से मदद की गुहार लगाई है। इन पोस्टर्स पर लिखा है, हिंदू पलायन कर रहा है, योगी जी मदद करो।

तेलंगाना-हरियाणा के बाद आंध्र में भी आरक्षण में सब-कोटा

- अध्यादेश जारी; सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद उठाया कदम

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश ने गुरुवार को अनुसूचित जातियों आरक्षण के भीतर आरक्षण देने के लिए अध्यादेश जारी

किया। राज्य में कुल 59 एससी जातियों को 15 फीसदी आरक्षण मिलता है। पिछले साल सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों को एससी और अनुसूचित जनजातियों कोटे में कोटा देने की अनुमति दी थी। आंध्र प्रदेश के अध्यादेश में सरकारी नौकरी और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण के लिए एससी जातियों को तीन ग्रुप में बांटा गया है।

धार्मिक नाम पर आवंटित वक्फ संपत्तियों पर बने हैं मकान-दुकान

- यूपी के जिलों से आने लगी रिपोर्ट,761 से अधिक संपत्तियां हैं शामिल

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के जिलों से जिलाधिकारियों ने धीरे-धीरे वक्फ संपत्तियों की जानकारी शासन को भेजनी शुरू कर दी है। शासन को अब तक मिली जिलों की रिपोर्ट के मुताबिक धार्मिक, शैक्षिक कामों

और कब्रिस्तान के लिए दी गई 761 से अधिक संपत्तियों पर घर और दुकानें बना दी गई हैं। शासन ने जिलाधिकारियों से वक्फ संपत्तियों के बारे में पूरी रिपोर्ट मांगी है। इसमें पूछा गया है कि वक्फ की संपत्तियों का आवंटन के बाद मनमाना इस्तेमाल किया जा रहा है। जिलाधिकारियों से अपने-अपने जिलों में स्थित वक्फ संपत्तियों की रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए थे।

जयपुर में IPL के सबसे युवा खिलाड़ी की धमाकेदार शुरुआत

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में मैच खेला गया। आईपीएल के सबसे कम उम्र के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने धमाकेदार शुरुआत की। उन्होंने अपने आईपीएल डेब्यू की पहली गेंद पर ही सिक्स लगा दिया। आउट होने के बाद ड्रेसिंग रूम जाते वक्त वे भावुक भी हो गए।

मैच के दौरान स्टैंड में सीट को लेकर विवाद भी दिखा।

स्टेडियम में बीकानेर रूफटॉप पर पास से एंट्री थी, लेकिन किसी पास पर सीट नंबर लिखा था और किसी पर नहीं। इसे लेकर स्टेडियम में दर्शक और प्रशासन के बीच विवाद रहा। लोग अपनी सीटों को लेकर बहस करते नजर आए।

स्टेडियम के वेस्ट VIP जोधपुर लाउंज में दर्शकों की लंबी कतार लग गई। हॉस्पिटैलिटी (खाने-पीने) के लिए सैकड़ों दर्शक लाइन में लगकर परेशान होते दिखे। अजमेर से मैच देखने पहुंचे रवि ने कहा- इतना महंगा टिकट खरीदने के बाद भी टाइम पर पानी तक नहीं मिला है। राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन को इस पर ध्यान देना चाहिए।

चोटिल सैमसन बाहर, रियान पराग को कमान

राजस्थान के नियमित कप्तान संजू सैमसन चोटिल होने के कारण मैच नहीं खेले। सैमसन को पिछले मैच में शरीर के बाएं हिस्से में बॉल लगी थी। इसके चलते वह 19 गेंदों में 31 रन बनाकर रिटायर्ड आउट हो गए थे। उनकी जगह रियान पराग ने टीम की कप्तानी की।

दर्शक बोले- महंगा टिकट खरीदने के बाद भी टाइम पर पानी नहीं मिला

राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच मैच के दौरान स्टेडियम के वेस्ट VIP जोधपुर लाउंज में दर्शकों की लंबी कतार लग गई।

हॉस्पिटैलिटी (खाने-पीने) के लिए सैकड़ों दर्शक लाइन में लगकर परेशान होते दिखे।

अजमेर से मैच देखने पहुंचे रवि ने कहा- इतना महंगा टिकट खरीदने के बाद भी टाइम पर पानी नहीं मिला है। राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन को इस पर ध्यान देना चाहिए।

आईपीएल में सीटों को लेकर विवाद देखने को मिला। यहां स्टेडियम में बीकानेर रूफटॉप पर पास से एंट्री है। लेकिन, किसी पास पर सीट नंबर लिखा है और किसी पर नहीं। इसे लेकर स्टेडियम में दर्शक और प्रशासन के बीच विवाद रहा। लोग अपनी सीटों को लेकर बहस करते नजर आए।

जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के लिए मददगार साबित होगी है। टी-20 क्रिकेट में यहां 180-196 के बीच का स्कोर आम बात है। इस सीजन यहां यह दूसरा मैच होगा। जयपुर में अब तक 58 IPL मैच खेले गए।

पहले बैटिंग करने वाली टीम ने यहां 20 और 38 मैचों में चेज करने वाली टीम ने जीत हासिल की है। यहां का हाईएस्ट टीम स्कोर 217/6 है, जो सनराइजर्स हैदराबाद ने 2023 में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ बनाया था।

पीएम मोदी ने एलन मस्क से की तकनीकी सहयोग पर चर्चा

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते की संभावनाएं

स्टारलिंक की भारत में योजनाओं पर कोई जानकारी नहीं दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को टेस्ला के सीईओ एलन मस्क के साथ हुई अपनी बातचीत की जानकारी साझा की। पीएम ने बताया कि वाशिंगटन डीसी में इस साल हुई उनकी पिछली मुलाकात के दौरान कुछ खास मुद्दों पर भी बात हुई। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने पोस्ट में भारत और अमेरिका के बीच टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्र में सहयोग की बहुत संभावना बताई। पीएम मोदी ने लिखा, एलन मस्क से बात हुई और कई मुद्दों पर चर्चा हुई, जिनमें वाशिंगटन डीसी में इस साल हुई हमारी मुलाकात के दौरान शामिल विषय भी शामिल थे। उन्होंने आगे कहा, हमने टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं पर चर्चा की। इसका मतलब है कि भारत और अमेरिका मिलकर टेक्नोलॉजी को और बेहतर बनाने के लिए काम कर सकते हैं। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत, अमेरिका के साथ इन क्षेत्रों

में अपनी दोस्ती को और आगे बढ़ाएगा। यह बातचीत ऐसे समय पर हो रही है जब भारत और अमेरिका के बीच व्यापार को लेकर एक समझौता होने की बात चल रही है।

खबर है कि टेस्ला जल्द ही भारतीय बाजार में आ सकती है। लेकिन पीएम मोदी के पोस्ट में इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई न ही यह बताया गया कि कंपनी की भारत के लिए क्या योजनाएं हैं। कुछ समय पहले, वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने स्टारलिंक के अधिकारियों से मुलाकात की थी। स्टारलिंक एक ऐसी कंपनी है जो सैटेलाइट के जरिए इंटरनेट सेवा देती है। इस मीटिंग में स्टारलिंक के वाइस प्रेसीडेंट चाड गिब्स और सीनियर डायरेक्टर ryan गुडनाइट भी शामिल थे। उन्होंने भारत में अपनी टेक्नोलॉजी, पार्टनरशिप और निवेश योजनाओं के बारे में बात की।

ममता की नहीं सुनी, ट्रेन से मालदा पहुंच गए गवर्नर

- पीड़ितों से मिलकर केंद्र को भेजेंगे रिपोर्ट, बढ़ेगा टकराव

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस शुक्रवार को मालदा पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के अनुरोध को ठुकरा दिया। ममता बनर्जी ने उनसे दंगा प्रभावित इलाकों का दौरा स्थगित करने को कहा था। दरअसल राज्यपाल हाल ही में मुर्शिदाबाद जिले में हुई सांप्रदायिक हिंसा के पीड़ितों से मिलने की योजना बना रहे थे। हिंसा के बाद कई लोग अपना घर छोड़कर भाग गए थे। राज्यपाल पीड़ितों से मिलेंगे और उनके हालात का जायजा लेंगे और अपनी सिफारिशें

भेजेंगे। इस बीच राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने भी मालदा जिले में एक टीम भेजी है। यह टीम मुर्शिदाबाद में हिंसा के बाद वहां से भागकर आए लोगों से मिलेगी और जांच करेगी। राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने कहा कि मैं पीड़ितों से मिलने और जमीनी हकीकत जानने जा रहा हूं। मुझे जो रिपोर्ट मिली हैं। मैं उन्हें वेरिफाई करूंगा। मैं अस्पतालों, पीड़ितों के घरों और राहत शिविरों में जाऊंगा। केंद्रीय बल और राज्य पुलिस मिलकर काम कर रहे हैं। स्थिति जल्द ही सामान्य हो जाएगी। मैं पीड़ितों की रिपोर्ट जारी करूंगा।

तृणमूल ने राज्यपाल और केंद्रीय टीम की आलोचना की

राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल ने राज्यपाल और दौरे पर आई केंद्रीय टीम की आलोचना की और उन पर राजनीतिक लाभ के लिए हालात को अस्थिर करने के प्रयास का आरोप लगाया। तृणमूल सांसद सौगत रॉय ने कहा कि जब मुख्यमंत्री ने उनसे अनुरोध किया था तो उन्हें इसका सम्मान करना चाहिए था। लेकिन उनका इरादा क्षेत्र में तनाव पैदा करना और परेशानी बढ़ाना है। एनसीडब्ल्यू और एनएचआरसी की टीम भी और परेशानी बढ़ाने में बीजेपी को मदद करने के लिए क्षेत्र का दौरा कर रही हैं और वे नहीं चाहते कि क्षेत्र में सामान्य स्थिति बहाल हो।

भगवत गीता और नाट्यशास्त्र को यूनेस्को में मिली जगह

मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में किया शामिल,मोदी बोले-यह गर्व का क्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की सांस्कृतिक और दार्शनिक विरासत को ऐतिहासिक मान्यता देते हुए, श्रीमद् भगवत गीता और भरत मुनि के नाट्यशास्त्र को यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया गया है। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने एक्स पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा- यह वैश्विक सम्मान भारत के

- पीएम ने कहा- हमारे ज्ञान और समृद्ध संस्कृति को वैश्विक मान्यता मिली

शाश्वत ज्ञान और कलात्मक प्रतिभा का जश्न है। ये कालातीत रचनाएं साहित्यिक खजाने से कहीं अधिक हैं। ये दार्शनिक आधार हैं जिन्होंने हमारे सोचने, महसूस करने, जीने और अभिव्यक्त करने के तरीके को बेहतर बनाया है। 18 अप्रैल यानी वर्ल्ड हेरिटेज डे के दिन इसे शामिल किया गया है। पीएम मोदी ने एक्स पर ट्वीट करते हुए इसे दुनिया भर में हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण

बताया। उन्होंने कहा- यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में गीता और नाट्यशास्त्र को शामिल करना हमारे शाश्वत ज्ञान और समृद्ध संस्कृति की वैश्विक मान्यता है। गीता और नाट्यशास्त्र ने सदियों से सभ्यता और चेतना का पोषण किया है।

उनकी अंतर्दृष्टि दुनिया को प्रेरित करती रहती है। इसके साथ ही, अब हमारे देश के 14 अभिलेख इस यूनेस्को के रजिस्टर में शामिल हो गए हैं। यूनेस्को का मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर एक अंतरराष्ट्रीय पहल है, जिसे यूनेस्को ने 1992 में शुरू किया था। इसका उद्देश्य विश्व के महत्वपूर्ण दस्तावेजी विरासतों को पहचान देना, उसे संरक्षित करना और लोगों की पहुंच में लाना है। यह एक अंतरराष्ट्रीय रजिस्टर है जिसमें विश्वभर के ऐतिहासिक दस्तावेज, पांडुलिपियां, दुर्लभ पुस्तकें, चित्र, फिल्में, ऑडियो रिकॉर्डिंग, आदि को शामिल किया जाता है, जिनका ऐतिहासिक, सांस्कृतिक या सामाजिक महत्व होता है। 2024 में, तीन भारतीय साहित्यिक कृतियों रामचरितमानस, पंचतंत्र, और सहृदयलोक-लोकन को 'मैमोरी ऑफ द वर्ल्ड कमेटी फॉर एशिया एंड द पैसिफिक रीजन' रजिस्टर में शामिल किया गया था। यह पहली बार है कि एक ही बार में भारत के तीन कृतियों को एक-साथ शामिल किया गया हो। 'रामचरित मानस'तुलसीदास ने 16वीं शताब्दी में अवधी भाषा में लिखी थी।इसे हिन्दू धर्म की सर्वोतम कृतियों में माना जाता है।

तेल के खेल में नेपाल की एंट्री संकट में भारतीय कंपनियां

- सरकार से लगाई बचाने की गुहार, टैक्स में की छूट की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। खाद्य तेलों की कीमतों में जो तेजी है, उसे आप तो महसूस कर ही रहे होंगे। दरअसल, पिछले साल सितंबर में सरकार ने कुकिंग ऑयल के इंपोर्ट पर भारी टैक्स लगा दिया था।

इस वजह से घरेलू बाजार मे इसके दाम चढ़ गए। लेकिन अभी तो इस बाजार में गजब ही हो रहा है। भारत जैसे बड़े देश की खाद्य तेल की बड़ी कंपनियां नेपाल जैसे छोटे देशों की छोटी-छोटी कंपनियों से खौफ खा रही हैं। दरअसल, नेपाल की वजह से इनका धंधा मारा जा रहा है। नेपाली खाद्य तेल से परेशान भारतीय खाद्य तेल बेचने वाली कंपनियों के संगठन इंडियन वेजीटेबल ऑयल प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन ने सरकार का दरवाजा खटखटाया है। नेपाल से भारत का दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र समझौता है।

पहले खुद के गिरेबां में झांक लो, फिर दिखाओ आईना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में हिंसा को लेकर बांग्लादेश की टिप्पणी पर भारत ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश को फटकार लगाते हुए कहा है कि पड़ोसी देश को पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए जहां जघन्य अपराधों

- बंगाल हिंसा पर ज्ञान दे रहे बांग्लादेश को भारत की फटकार

के दोषी आजाद घूम रहे हैं। बता दें कि बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 के विरोध में हुई हिंसक झड़पों ने राज्य में तनाव बढ़ा दिया है। इन प्रदर्शनों के दौरान कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हुए। हिंसा के बाद केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल को क्षेत्र में शांति बहाल करने के लिए तैनात किया गया है। इस बीच, बांग्लादेश के अधिकारियों द्वारा पश्चिम बंगाल की घटनाओं पर की गई टिप्पणियों को भारत ने सिरे से खारिज कर दिया है। बांग्लादेश ने भारतीय अधिकारियों से अशांति से प्रभावित अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदायों की रक्षा करने का आह्वान किया था।

मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने कहा कि अंतरिम सरकार ने इस घटना में बांग्लादेश को शामिल करने के भारत के प्रयासों का कड़ा विरोध किया है।

पत्नी के साथ जयपुर में 3 दिन रहेंगे अमेरिकी उपराष्ट्रपति

बिल क्लिंटन जैसा होगा स्वागत,आमेर किले के बंद गेट खुलवाए गए

जयपुर (एजेंसी)। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड वेंस 21 अप्रैल को जयपुर दौरे पर आ रहे हैं। वे तीन दिन जयपुर में रहेंगे और 23 अप्रैल को जयपुर से आगरा ताजमहल देखने जाएंगे। अमेरिकी वाइस प्रेसीडेंट भारतीय मूल की अपनी पत्नी उषा चिलुकुरी के साथ आमेर महल और जंतर-मंतर जैसी हेरिटेज साइट देखने भी जाएंगे।

इससे पहले 2024 में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भी जयपुर आए थे। वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति रहे बिल क्लिंटन भी अपने कार्यकाल के दौरान जयपुर दौरे पर आ चुके हैं। जेडी वेंस के दौरे के मद्देनजर सभी सुरक्षा एजेंसिया सतर्क हो गई हैं। आमेर फोर्ट में

एजेंसियों ने सुरक्षा की तैयारियां देखी। व्हाइट हाउस ने वेंस के जयपुर दौरे की दो दिन पहले पुष्टि की थी।

सूत्रों के अनुसार, वेंस के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जयपुर आ सकते हैं। जेडी वेंस की विजिट को लेकर अमेरिकी सेना के भी बड़े विमान यहां पहुंचे थे।

190 साल पुराने रामबाग पैलेस में रुकेंगे वेंस

दुनिया के टॉप लग्जरी होटल में शुमार रामबाग पैलेस में अमेरिकी उपराष्ट्रपति का दो दिन स्टे होगा। करीब 190 साल पुरानी यह प्रॉपर्टी जयपुर के पूर्व राजपरिवार से संबंध रखती है। ताज ग्रुप का यह प्राइम होटल हॉलीवुड-बॉलीवुड स्टार्स के साथ दुनियाभर के सेलिब्रिटीज की पसंद है। अपने आखिरी दिनों में पूर्व महारानी गायत्री देवी भी रामबाग पैलेस में मौजूद लिलिपूल पैलेस में रहती थीं। रामबाग पैलेस को भारत का सबसे महंगा होटल माना जाता है।

'चंदा' और 'पुष्पा' करेंगी वेलकम

22 अप्रैल को आमेर महल विजिट के दौरान वे राजस्थानी मेहमान नवाजी का भी एक्सपीरियंस करेंगे। इस दौरान आमेर महल के सूरजपोल गेट पर उनका स्वागत हथिनी चंदा और पुष्पा करेंगी। हाथी गांव विकास समिति के अध्यक्ष बल्लू खान ने बताया कि दोनों हाथियों को चांदी के होदे लगेंगे और ज्वेलरी पहनाई जाएगी। आमतौर पर वीवीआईपी मेहमानों का स्वागत इसी तरह किया जाता है। आमेर के पास मौजूद हाथी गांव में सेरेमनी को लेकर विशेष तैयारियां की जा रही हैं। जयपुर में उपराष्ट्रपति वेंस आमेर महल को घूमने में सबसे ज्यादा टाइम स्पेंड करेंगे। सूत्रों के अनुसार वे इस फोर्ट में करीब ढाई घंटे तक रुकेंगे। करीब 433 साल पुराना यह किला राजपूताना इतिहास के कई पन्नों को समेटे हुए है। अमेरिका के उपराष्ट्रपति के जयपुर दौरे से पहले एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था को और बढ़ा दिया गया है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय

SC पर उपराष्ट्रपति धनखड़ की टिप्पणियां

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की सुप्रीम कोर्ट पर की गई टिप्पणियों ने कार्यपालिका और विधायिका के बीच के टकराव को सार्वजनिक कर दिया है। जजों की नियुक्ति का मामला हो या संविधान की व्याख्या -मतभेद पहले भी रहे हैं। लेकिन, पहली बार संवैधानिक पद पर बैठे किसी जिम्मेदार ने इतनी तल्ख बातें की हैं। जिस मंच का इस्तेमाल किया गया, वह भी सही नहीं था। इससे किसी बदलाव की उम्मीद कम, बेकार की बहस बढ़ने का अंदेशा ज्यादा है।

फैसले का संदर्भ: शीर्ष अदालत ने हाल में एक मामले की सुनवाई करते हुए राज्यपालों के अलावा राष्ट्रपति के लिए भी विधेयक पास करने की समय-सीमा तय कर दी है। उपराष्ट्रपति की टिप्पणियां उसी संदर्भ में थीं। उनका सबसे सख्त ऐतराज इस पर बात पर रहा कि सुप्रीम कोर्ट देश के राष्ट्रपति को निर्देश नहीं दे सकता। धनखड़ संवैधानिक पद पर हैं और जब वह ऐसी बात करते हैं, तो टकराव बढ़ता है।

पूर्ण न्याय का रास्ता: उपराष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 142 को लोकतांत्रिक ताकतों के खिलाफ न्यूक्लियर मिसाइल बताया है। यह अनुच्छेद SC को विशेष अधिकार देता है। जब पूर्ण न्याय के लिए कोई और रास्ता नहीं बचता, तब सुप्रीम अदालत इस अनुच्छेद से मिली पूर्ण शक्तियों का इस्तेमाल करती है। इसे किसी संवैधानिक संस्था के खिलाफ हथियार नहीं कहा जा सकता, बल्कि यह उम्मीद का दरवाजा है।

संवैधानिक टकराव: उपराष्ट्रपति धनखड़ ने सुप्रीम कोर्ट को 'सुपर संसद' कहा, अनुच्छेद 145 (3) में संशोधन की वकालत की। यह अनुच्छेद तय करता है कि संविधान से जुड़े मामलों पर सुप्रीम कोर्ट की पीठ का गठन किस तरह किया जाएगा। ऐसे में इस तरह की टिप्पणियां जनता में भ्रम पैदा कर सकती हैं, अविश्वास का माहौल बनता है।

जवाबदेही की चिंता: उपराष्ट्रपति की कुछ चिंताएं अपनी जगह सही हैं। उन्होंने दिल्ली हाई कोर्ट के एक न्यायाधीश के घर से मिले नोटों के जले हुए बंडल का जिक्र किया और जवाबदेही की बात उठाई। देश के नागरिक के तौर पर उनकी चिंता और सवाल जायज हो सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट को ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए, जिससे पारदर्शिता बढ़े और न्यायपालिका पर भरोसा कायम रहे। हालांकि बतौर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अपनी टिप्पणियों से बच सकते थे। आज के राजनीतिक माहौल में उनसे ज्यादा संतुलित व्यवहार की अपेक्षा की जाती है।

कौन सर्वोच्च – राष्ट्रपति, संसद या सुप्रीम कोर्ट?

- अनुच्छेद 142 पर उठा सवाल, उपराष्ट्रपति बोले- कोर्ट नहीं दे सकती आदेश

भारत के संविधान की सर्वोच्चता को लेकर इन दिनों एक नई बहस छिड़ गई है। इसकी शुरुआत तब हुई जब उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सुप्रीम कोर्ट के अनुच्छेद 142 पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह शक्ति लोकतांत्रिक ढांचे के लिए "परमाणु मिसाइल" बन चुकी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट कहा कि अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं। धनखड़ के इस बयान से संवैधानिक संस्थाओं के अधिकारों और सीमाओं को लेकर गंभीर बहस छिड़ गई है। वहीं, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने समर्थन करते हुए कहा कि जब राष्ट्रपति स्वयं सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति करते हैं, तो न्यायपालिका उन्हें निर्देश देने की स्थिति में कैसे हो सकती है?

तमिलनाडु विधानसभा में 2020 से 2023 के बीच 12 विधेयक पारित किए गए। इन्हें मंजूरी के लिए राज्यपाल आरएन रवि के पास भेजा गया। उन्होंने विधेयकों पर कोई कार्रवाई नहीं की, दबाकर रख लिया।

अक्टूबर 2023 में तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से गुहार लगाई। इसके बाद राज्यपाल ने 10 विधेयक बिना साइन किए लौटा दिए और 2 विधेयकों को राष्ट्रपति के पास विचार के लिए भेज दिया। सरकार ने 10 विधेयक दोबारा पारित कर राज्यपाल के पास भेजे। राज्यपाल ने इस बार इन्हें राष्ट्रपति के पास भेज दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल 2025 को एक अहम फैसले में राज्यपाल के इस तरह विधेयक अटकाने को अवैध बता दिया। जस्टिस जेबी पारदीवाला की बेंच ने राज्यपाल से कहा- आप संविधान से चलें, पार्टियों की मर्जी से नहीं।

राज्यपाल ने 'ईमानदारी' से काम नहीं किया। इसलिए कोर्ट ने आदेश दिया कि इन 10 विधेयकों को पारित माना जाए। यह पहली बार था जब राज्यपाल की मंजूरी के बिना विधेयक पारित हो गए।

दरअसल, संविधान में यह निर्धारित नहीं किया गया है कि विधानसभा से पारित विधेयक को राज्यपाल या राष्ट्रपति को कितने दिनों के भीतर मंजूरी या नामंजूरी देनी होगी। संविधान में सिर्फ इतना लिखा है कि उन्हें 'जितनी जल्दी हो सके' फैसला लेना होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने इस 'जितनी जल्दी हो सके' को डिफाइन कर दिया है...

अगर राज्य सरकार कोई विधेयक मंजूरी के लिए भेजती है तो राज्यपाल को एक महीने के भीतर कार्रवाई करनी होगी।

अगर राज्यपाल विधेयक को राष्ट्रपति के पास भेजते हैं तो राष्ट्रपति के पास भी इस पर फैसला लेने के लिए 3 महीने का ही समय होगा। इससे ज्यादा दिन होने पर उन्हें उचित कारण बताना होगा।

अगर राज्यपाल या राष्ट्रपति समय सीमा के भीतर कोई कार्रवाई नहीं करते हैं, तो राज्य सरकार अदालत जा सकती है।

17 अप्रैल को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत कोर्ट को मिला विशेष अधिकार लोकतांत्रिक शक्तियों के खिलाफ 24x7 उपलब्ध न्यूक्लियर मिसाइल बन गया है। जज 'सुपर पार्लियामेंट' की तरह काम कर रहे हैं।

राज्यसभा सांसद और जाने-माने वकील कपिल सिब्बल ने एक इंटरव्यू में कहा, 'आज की तारीख में पूरे देश में अगर किसी एक संस्थान पर भरोसा है तो वो है न्यायपालिका। क्या उन्हें (धनखड़) पता है कि संविधान के अनुच्छेद 142 ने सुप्रीम कोर्ट को पूर्ण न्याय का अधिकार दिया है। राष्ट्रपति सिर्फ प्रतीकात्मक प्रमुख होते हैं। वो कैबिनेट के अधिकार और सलाह पर काम करते हैं। राष्ट्रपति के पास अपना कोई निजी अधिकार नहीं होता।'

भारत के संविधान निर्माताओं ने वो सभी बातें संविधान में शामिल कर लीं, जितनी उस वक्त तक सोची जा सकती थीं। इसके साथ ही आर्टिकल 142 के जरिए सुप्रीम कोर्ट को 'पूर्ण न्याय' करने की विशेष शक्ति दे दी। ताकि जब कानून के मौजूदा प्रावधान पर्याप्त न हों या अस्पष्ट हों, तब भी न्याय सुनिश्चित किया जा सके। इसका मसौदा आर्टिकल 18 की तरह संविधान सभा में बिना बहस और विरोध के अपनाया गया था।

डॉ. बी. आर. अंबेडकर ने संविधान सभा में इस अनुच्छेद का समर्थन करते हुए कहा था

ब्रिटेन में संसद सर्वोच्च है, वहां की अदालतें संसद द्वारा बनाए कानून से बंधी होती हैं, लेकिन भारत में ऐसा नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के वकील और संविधान के जानकार विराग गुप्ता कहते हैं...

भारत में सुप्रीमेसी ऑफ कॉन्स्टिट्यूशन है, न कि सुप्रीमेसी ऑफ पार्लियामेंट। यानी देश में संविधान सबसे ऊपर है। इसके तहत सभी के बीच शक्तियों का विभाजन है। इसलिए राष्ट्रपति का पद भी संविधान से ऊपर नहीं हो सकता और न ही संविधान के दायरे से बाहर जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट राष्ट्रपति को भी आदेश दे सकती है। उसे आर्टिकल 142 के तहत अधिकार है कि वह पूर्ण न्याय के लिए संविधान सम्मत फैसला ले सकती है, जिसमें जरूरत पड़ने पर राष्ट्रपति यानी केंद्र सरकार को आदेश देना भी शामिल है।

हालांकि राष्ट्रपति की तरह काम करने का अधिकार सुप्रीम कोर्ट के पास नहीं है। मान लीजिए सुप्रीम कोर्ट के जज की नियुक्ति करनी है और कॉलेजियम में कोई सिफारिश पेंडिंग है, तो सुप्रीम कोर्ट यह नहीं कह सकती कि इतने दिनों से सिफारिश पेंडिंग है, तो हम राष्ट्रपति की मंजूरी के बिना नियुक्ति कर देते हैं।

सुप्रीम कोर्ट के किसी फैसले को पलटने के 3 तरीके हैं-

1. पुनर्विचार याचिका: सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में ही पुनर्विचार याचिका यानी रिव्यू पिटीशन दायर की जाए। इसमें कहा जाए कि कोर्ट के फैसले में बड़ी संवैधानिक त्रुटि थी, जिस वजह से फैसले में पुनर्विचार जरूरी है।

2. बड़ी बेंच का गठन: दो अलग-अलग कॉन्फ्लिक्टिंग जजमेंट हों, जिस पर बड़ी बेंच का गठन किया जाए। यानी किसी केस पर दो ऐसे फैसले आए हों, जो एक-दूसरे से अलग हों। तो फिर तीन जजों की बड़ी बेंच का गठन किया जाए।

3. संविधान पीठ: सुप्रीम कोर्ट की नई और पांच या ज्यादा जजों की बेंच केस पर सुनवाई करे और नए तरीके से फैसला दे।

विराग गुप्ता कहते हैं, 'सुप्रीम कोर्ट का कोई भी फैसला आर्टिकल 142 के तहत लिए फैसले से अलग नहीं होता।

जब एक बार फैसला ले लिया जाता है, तो उसमें कोई फर्क नहीं होता। सामान्य तौर पर लिए फैसले और आर्टिकल 142 से लिए फैसले बराबर हो जाते हैं।'

भारत सरकार संविधान में संशोधन करके आर्टिकल 142 को हटा नहीं सकती है, क्योंकि यह संविधान के बेसिक स्ट्रक्चर का हिस्सा है। अगर सरकार ने इसे अनुच्छेद 368 के इस्तेमाल से हटाने की कोशिश की, तो सुप्रीम कोर्ट से इसे चुनौती मिलेगी और फैसला रद्द हो सकता है।

वक्फ संशोधन कानून के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा ममता सरकार पर सवाल खड़े करती है। पश्चिम बंगाल के सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार का संवैधानिक दायित्व है। दुर्भाग्य यह दिखा कि जब मुर्शिदाबाद दंगे की आग में जल रहा था, हिंदुओं को जान बचाने के लिए मालदा भागना पड़ रहा था, उस दौरान खुद ममता बनर्जी भाजपा व केंद्रीय एजेंसियों पर साजिश के आरोप मढ़ने में व्यस्त थीं। संसद में पास वक्फ संशोधित कानून का आम गरीब हिंदुओं से क्या वास्ता है, जो मुस्लिमों के जुल्म के शिकार हो रहे हैं, हिंदू अपने राज्य में ही शरणार्थी बनने को क्यों मजबूर हो रहे हैं। आखिर कौन लोग हैं जो हिंदुओं के घर जला रहे हैं, उनके खिलाफ हिंसा कर रहे हैं? और इन सबमें ममता सरकार कहां खड़ी है? नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कलकत्ता हाईकोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ा। राज्यपाल सीवी आनंद बोस और राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्यों ने प्रभावित क्षेत्र का दौरान किया है, इसमें स्थिति चिंताजनक बताई है। क्या सत्ता, राजनीति व वोट बैंक की अंधी दौड़ में एक महिला मुख्यमंत्री ने अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी को भी ताक पर रख दी है? क्या ममता को सत्ता में बने रहने का नैतिक हक है? मुर्शिदाबाद प्रकरण के विश्लेषण पर केंद्रित आजकल का यह अंक...

नागरिकों की सुरक्षा ममता का दायित्व

विश्लेषण

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

बंगाल में हिंसा को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर बीजेपी हमलावर है, वहीं राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर बंगाल सरकार सवालों के घेरे में हैं। इतना ही नहीं, हिंसा के पीछे बांग्लादेशी उपद्रवियों की संलिप्तता और स्थानीय राजनीतिक नेतृत्व की भूमिका को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। ये सवाल केवल प्रशासनिक चूक की ओर इशारा नहीं करते, बल्कि यह भी संकेत देते हैं कि केंद्र सरकार राज्य की भूमिका पर सीधे तौर पर उंगली उठा रही है। बड़ा सवाल ये कि मुर्शिदाबाद की हिंसा अचानक भड़की या राजनीतिक फायदे के लिए ये एक सोची समझी रणनीति है? बहरहाल, हिंसा का सबसे गंभीर प्रभाव स्थानीय हिंदू समुदाय पर पड़ा है।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान भड़की हिंसा राज्य की राजनीति पर कई सवाल खड़े कर रही है। इस घटना में कई लोग घायल हुए हैं, जिनमें पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। बंगाल में हिंसा की बढ़ती घटना को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर बीजेपी हमलावर है, वहीं राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर बंगाल सरकार सवालों के घेरे में हैं। इतना ही नहीं, हिंसा के पीछे बांग्लादेशी उपद्रवियों की संलिप्तता और स्थानीय राजनीतिक नेतृत्व की भूमिका को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। ये सवाल केवल प्रशासनिक चूक की ओर इशारा नहीं करते, बल्कि यह भी संकेत देते हैं कि पूरे मामले में राज्य की भूमिका दायित्व निभाने में विफल रही है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल ये कि मुर्शिदाबाद की हिंसा अचानक भड़की या राजनीतिक फायदे के लिए ये एक सोची समझी रणनीति है? बहरहाल, हिंसा का सबसे गंभीर प्रभाव स्थानीय हिंदू समुदाय पर पड़ा, जिन्हें जान बचाकर मालदा की ओर पलायन करना पड़ा। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या यह सीमा पार से योजनाबद्ध घुसपैठ और धर्म आधारित हमलों की नई श्रृंखला की शुरुआत है? या पश्चिम बंगाल में वोटबैंक के लिए राजनीतिक लड़ाई है?

विस चुनाव पर असर डालेगी हिंसा

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मुर्शिदाबाद की हिंसा आने वाले विधानसभा चुनाव पर असर डाल सकती है। बीजेपी इसे 'कानून व्यवस्था' और 'संवैधानिक अधिकारों' का मुद्दा बनाकर जनता को लामबंद करने की कोशिश कर रही है, वहीं टीएमसी इसे बीजेपी की 'ध्रुवीकरण की साजिश' बता रही है। इन घटनाओं का असर बंगाल ही नहीं, बल्कि झारखंड, बिहार और असम जैसे पड़ोसी राज्यों की राजनीति पर भी पड़ सकता है। मुर्शिदाबाद की घटना केवल कानून व्यवस्था का मामला नहीं है, बल्कि यह सामाजिक संतुलन, राजनीतिक जिम्मेदारी और संवैधानिक अधिकारों की भी परीक्षा है। प्रशासन ने हालात को काबू में बताया है, लेकिन स्थिति अभी भी नाजुक बनी हुई है। अब यह देखना अहम होगा कि क्या यह मामला राजनीतिक हथियार बनकर रह जाएगा या इसे सुलझाने के लिए कोई ठोस कदम उठाया जाएगा।

मुस्लिम वोट बैंक को साधने की कोशिश

इस हिंसा ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व पर सवाल खड़े कर दिए हैं क्योंकि देश के कई हिस्सों में वक्फ संशोधन के खिलाफ़ विरोध प्रदर्शन हुए हैं, लेकिन कहीं भी स्थिति मुर्शिदाबाद जितनी हिंसक नहीं हुई। हालांकि, ममता बनर्जी ने साफ कर दिया है कि राज्य में नया वक्फ कानून लागू नहीं किया जाएगा जिस पर पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष और बीजेपी नेता सुवेन्दु अधिकारी ने ममता सरकार पर आरोप लगाया कि बंगाल में 'हिंदू सुरक्षित नहीं हैं, स्थिति बहुत गंभीर, नाजुक है। राज्य में अगले साल मार्च-अप्रैल तक विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुस्लिम समुदाय को साधने के लिए मुस्लिम नेताओं के साथ बैठक कर वक्फ संपत्तियों की रक्षा करने का आश्वासन दिया और कहा कि जब तक ममता सरकार है राज्य में इस कानून को लागू नहीं होने देगी। दीदी का यह रुख उनके 30 फीसदी मुस्लिम वोट बैंक को मजबूत करने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है।

राजनीतिक अवसर के रूप में देख रही बीजेपी

वहीं, बीजेपी राज्य में काफी ताकत लगा रही है। अगले साल होने वाले चुनाव को ध्यान में रखते हुए बीजेपी राज्य में ममता सरकार की खामियों को उजागर करने की कोशिश कर रही है। बीजेपी इस पूरे घटनाक्रम को एक राजनीतिक अवसर के रूप में देख रही है। पार्टी को लगता है कि यदि हिंदू मतदाता इस घटना को लेकर एकजुट होते हैं, तो यह टीएमसी के लिए राजनीतिक नुकसान का कारण बन सकता है। विशेषकर सीमावर्ती जिलों में जहां सुरक्षा और पहचान का मुद्दा संवेदनशील है। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि इसे बीजेपी या टीएमसी कितना चुनावी लाभ में बदल पाती है। पश्चिम बंगाल की कुल आबादी में मुस्लिम समुदाय की अनुमानित भागीदारी 30 फीसदी है। ममता बनर्जी ने विधानसभा में कहा था कि सूबे में 33 फीसदी मुस्लिम हैं। मुस्लिमों का वोटिंग पैटर्न देखें तो इस वर्ग के बीच टीएमसी की पकड़ चुनाव दर चुनाव मजबूत हुई है। सेंटर फॉर स्टडीज ऑफ सोशल डेवलपमेंट (सीएसडीएस) के मुताबिक 2011 के चुनाव में 35 और 2014 के आम चुनाव में 40 फीसदी मुस्लिमों ने टीएमसी को वोट किया। 2016 के विधानसभा चुनाव में 55, आम चुनाव 2019 में 70 और 2021 के विधानसभा चुनाव में 75 फीसदी मुस्लिमों का समर्थन ममता बनर्जी की पार्टी को मिला था।

हिंदू वोटर्स के बीच कमजोर हुई टीएमसी

2014 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के मजबूत उभार का असर प बंगाल की सियासत पर भी पड़ा है। आंकड़ों पर गौर करें तो टीएमसी की पैठ मुस्लिम समुदाय के बीच मजबूत हुई है तो उसके हिंदू वोट में गिरावट आई है। बीजेपी हिंदू वोटबैंक में बड़ी सेंध लगाने में सफल रही है। सूबे के दो विधानसभा चुनावों के आंकड़े इसकी गवाही देते हैं। 2016 के विधानसभा चुनाव में टीएमसी को 43 फीसदी हिंदू वोट मिले थे। पिछले विधानसभा चुनाव में तस्वीर उलट गई। 2021 के चुनाव में बीजेपी को हिंदू मतदाताओं में से 50 फीसदी का समर्थन मिला तो वहीं टीएमसी का समर्थन 43 फीसदी से घटकर 39 फीसदी पर आ गया। बहरहाल, मुर्शिदाबाद में वक्फ कानून के खिलाफ भड़की हिंसा ने राज्य की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। जहां एक ओर सरकार अल्पसंख्यक समुदाय को आश्वासन देने में लगी है, वहीं विपक्ष इसे कानून-व्यवस्था की विफलता और तुष्टीकरण की राजनीति के रूप में देख रहा है। आने वाले दिनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि सरकार और विपक्ष इस मुद्दे को कैसे संभालते हैं और राज्य में शांति और स्थिरता कैसे बहाल होती है। राज्य में शांति जरूरी है।

पश्चिम बंगाल में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो

मुर्शिदाबाद

अर्चना कुमारी

स्वतंत्र पत्रकार

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लेकर फैले तनाव ने राजनीतिक भूचाल ला दिया है। अर्धसैनिक बलों की तैनाती, हिंसा और पलायन की खबरों ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। ऐतिहासिक रूप से संवेदनशील यह जिला अब वोट बैंक, प्रशासनिक विफलता और सांप्रदायिक संतुलन की सियासत का केंद्र बन गया है। केंद्र और राज्य सरकार के बीच अधिकार क्षेत्र की लड़ाई में तब्दील हो गया है। शांति के नाम पर की गई कार्रवाई अब राजनीतिक जमीन की खींचतान का अखाड़ा बन चुकी है। राजनीतिक दृष्टि से देखें तो यह घटना तृणमूल कांग्रेस की सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी है। एक ओर वह मुस्लिम बहुल जिलों में अपनी पकड़ बनाए रखना चाहती है, वहीं दूसरी ओर हिंदू बहुल क्षेत्रों में बीजेपी के बढ़ते प्रभाव से भी जूझ रही है। ऐसे में एक धार्मिक समूह के भीतर से ही सरकार के खिलाफ प्रतिरोध की भावना उभर आना उसकी रणनीति के लिए खतरनाक संकेत है। 2021 के बंगाल चुनाव में मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभरी बीजेपी इस बार अधिक आक्रामक रणनीति के साथ उतरने के संकेत दे चुकी है। ऐसे में वक्फ कानून के खिलाफ मुर्शिदाबाद में भड़की हिंसा ने पश्चिम बंगाल की सियासी फिजां में और गर्माहट ला दी है। शिक्षक भर्ती घोटाला और बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे पर आक्रामक बीजेपी को मुर्शिदाबाद हिंसा ने ममता बनर्जी की सरकार को तुष्टिकरण को लेकर कठघरे में खड़ा करने का मौका दे दिया है। बीजेपी ने इस घटना को तुरन्त लपक कर एक 'कानून-व्यवस्था की विफलता' का उदाहरण बताया और उसकी राष्ट्रीय राजनीति में 'अराजक बंगाल' की छवि को पुष्ट किया। ममता बनर्जी वक्फ को एक मुद्दा बनाना चाहती हैं और तृणमूल कांग्रेस लोगों में संदेश देना चाहती है कि केवल ममता दीदी ही उनकी रक्षा कर सकती हैं। वहीं, बीजेपी ने इसे लेकर ममता बनर्जी पर हमला बोलना शुरू कर दिया है और 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले धर्म के आधार पर ध्रुवीकरण की कोशिश की जा रही है।

बंगाल में हिंदू आबादी घटी

2011 की जनगणना के अनुसार, पूरे देश में हिंदू आबादी में 0.7 फीसदी की गिरावट आई। पश्चिम बंगाल में हिंदू आबादी में 1.94 फीसदी गिरावट आई है। वहीं, मुस्लिम आबादी में 1.77 फीसदी की वृद्धि हो गई है, जो अच्छी खासी बढ़ोतरी है। ये आंकड़े 2011 की जनगणना के मुकाबले हैं। बंगाल में 2001 में मुस्लिम आबादी 25 फीसदी थी, जो 2011 में बढ़कर 27 फीसदी के पार जा चुकी थी। आज बंगाल की 9.5 करोड़ की आबादी में करीब 2.5 करोड़ मुसलमान हैं।

क्यों बना सियासी अखाड़ा

मुर्शिदाबाद की 70 फीसदी से अधिक आबादी मुस्लिम है और 30 प्रतिशत हिंदू जनसंख्या है। यह सांख्यिकी हर राजनीतिक दल के लिए रणनीति का अहम हिस्सा बन जाती है। वक्फ अधिनियम को लेकर उपजे विवाद में भी यह तथ्य केंद्र में है। यह सिर्फ धार्मिक या सामाजिक विवाद नहीं, बल्कि एक बड़े वोट बैंक की लड़ाई भी बन चुकी है। शिक्षा में इस जिले की साक्षरता दर केवल 65 फीसदी है और महिलाओं की स्थिति और भी चिंताजनक है। राजनीतिक बहसें चाहे जितनी तीखी हों, लेकिन शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे मुद्दे यहां की जनता की असल चिंता हैं, जो अक्सर इन वाद-विवादों के शोर में दब जाते हैं। आज जब मुर्शिदाबाद की आबादी 90 लाख के करीब है। तो यह सवाल और भी अहम हो जाता है कि क्या यह जिला अपनी ऐतिहासिक विरासत को पुनः जागृत कर सकता है, या फिर यह लगातार सियासी प्रयोगशाला बना रहेगा? वक्फ विवाद ने एक बार फिर यह दिखाया कि विकास की राह तब तक साफ नहीं हो सकती जब तक प्रशासनिक इच्छाशक्ति और सामाजिक संवाद का संतुलन न बने। यह भी ध्यान देने योग्य है कि हिंसा की घटनाएं अक्सर उन इलाकों में केंद्रित होती हैं जहां आर्थिक हताशा और बेरोजगारी अधिक होती है। मुर्शिदाबाद की अर्थव्यवस्था परंपरागत शिल्प, बुनकरी और कृषि पर आधारित है जो पिछले एक दशक से लगातार संकट में है। जब आजीविका के स्रोत क्षीण हो जाते हैं और शासन व्यवस्था अपने ही नागरिकों की आकांक्षाओं के प्रति संवेदनशील नहीं रहती तो आक्रोश के लिए कोई भी बहाना पर्याप्त हो सकता है। हिंसा का यह सामाजिक आधार, राजनीतिक उपेक्षा और सांस्कृतिक अस्थिरता तीनों एक साथ मिलकर एक विस्फोटक परिस्थिति तैयार करते हैं। खैर, मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा को लेकर हर कोई चिंतित है। आम आदमी चाहता है कि शांति बनी रहे और जो लोग बेघर हो गए हैं, उन्हें जल्द से जल्द मदद मिले। फिलहाल, स्थिति तनावपूर्ण है। पश्चिम बंगाल के सभी नागरिकों की सुरक्षा ममता बनर्जी सरकार की जिम्मेदारी है।

समर्पण संस्था द्वारा "शैक्षिक चैरिटी " पर व्याख्यान व बैठक आयोजित...

-सशक्त व समृद्ध समाज की नींव है शैक्षिक चैरिटी

जयपुर,(रॉयल पत्रिका)। "शैक्षिक चैरिटी सशक्त व समृद्ध समाज की नींव है। जरूरतमंद विद्यार्थियों की शिक्षा में मदद से ही उच्च शिक्षा का प्रतिशत बढ़ सकता है। उच्च शिक्षा को एडवांस व गुणवत्तापूर्ण बनाने के सार्थक प्रयासों की जरूरत है।" उक्त विचार समर्पण संस्था की ओर से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में शैक्षिक चैरिटी पर आयोजित व्याख्यान व बैठक में मुख्य अतिथि कॉलेज शिक्षा आयुक्त आईएएस डॉ. ओम प्रकाश बैरवा ने व्यक्त किये ।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता आर्किटेक्ट डॉ. दौलत राम माल्या ने पीपीटी प्रजन्टेशन द्वारा "शैक्षिक चैरिटी : समाज व राष्ट्र के विकास का आधार " विषय पर विस्तार से व्याख्यान देते हुए कहा कि " शैक्षिक चैरिटी ज्ञान का सर्वोत्तम उपहार है। जब हम किसी बच्चे को पढ़ने का अवसर देते हैं, तो हम उसे केवल अक्षरों का ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि उसे गरीबी, अज्ञानता और असमानता से बाहर निकालने का रास्ता दिखाते हैं।"

उन्होंने कहा कि शिक्षा जीवन को रोशन करती है । सभी को शिक्षा देना सत्ता, शासन व समाज की ज़िम्मेदारी है। किसी व्यक्ति की शिक्षा के लिए किया दान सर्वश्रेष्ठ है। शैक्षिक चैरिटी ज्ञान का प्रकाश है, जो अंधेरे को मिटाकर हर जीवन को रोशन कर सकता है। यह समाज व विश्व कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। शिक्षा दान से बढ़कर कोई दान नहीं है। अन्न, वस्त्र, औषधि, धन,भोजन आदि के दान एक न एक दिन खत्म हो जाते है। लेकिन शिक्षा का दान कभी खत्म नहीं होता है वह आजीवन साथ रहता है । "

डॉ. माल्या ने समर्पण संस्था द्वारा निर्धन विद्यार्थियों की शिक्षा के लिए किये जा रहे नवाचार "एज्यूकेशनल एम्बेसेडर" अभियान के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि संस्था द्वारा आर्थिक सम्पन्न व्यक्ति जो पे बैक टू सोसायटी की भावना रखते हैं। उन्हें एक निर्धन विद्यार्थी की शिक्षा की जिम्मेदारी देकर एज्युकेशनल ब्रांड एम्बेसेडर/ एज्युकेशनल एम्बेसेडर/ एज्युकेशनल एसोशिएट नियुक्त किये जा रहे है। शैक्षिक सत्र 2025-26 के लिए 25 अप्रैल तक आवेदन आमंत्रित किये गये है । इसके साथ ही जरूरतमंद विद्यार्थियों के चयन की प्रक्रिया भी नियमित चल रही है ।

इस अवसर गीतकार रमेश कुमार जी ने शिक्षा पर एक गीत प्रस्तुत किया । विशेष आमंत्रित अतिथि योगाचार्य मनीष विजयवर्गीय, विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार बैरवा, रावत एज्युकेशनल ग्रूप के निदेशक नरेन्द्र सिंह रावत ने भी अपने विचार व्यक्त किये ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सेवानिवृत्त आईआरएस एम. सी. वर्मा ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में सबको मिलकर काम करने की जरूरत है ।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि आर.बी. फन्डा (सेवानिवृत्त सहायक महाप्रबन्धक, नाबार्ड), डॉ समय सिंह (सहायक निदेशक , आयुर्वेद विभाग दौसा),डॉ विशाल गौतम (सहायक आचार्य,एस एस जैन सुबोध पी जी महाविद्यालय ,जयपुर), मनफूल सिंह सैनी (प्रदेशाध्यक्ष, सिविल राइट्स सोसायटी, राजस्थान), शैलेन्द्र अग्रवाल (सीए व पूर्व अध्यक्ष ,कर सलाहकार संघ) बृजमोहन वेद (सेवानिवृत्त, सहायक लेखाधिकारी प्रथम),एडवोकेट सुश्री निर्मला सोनी (IP Attorney , N K Soni & Associates), किशोरी लाल बैरवा (व्यवसायी, के. एम. पेंट्स), चंचल सेन (समाजसेविका व न्यूरो थैरेपिस्ट, बीकानेर),डॉ. नेहा गोयल (Vice Principal ,Agrasen Mahila Mahavidhyalay Kherli Alwar Rajasthan), पवन माहेश्वरी (ट्रेसर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड वर्ल्ड ट्रेड पार्क,) के साथ अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे ।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने लिया एम्स में व्यवस्थाओं का जायजा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शुक्रवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जोधपुर में इमरजेंसी विंग और कुछ प्रमुख वार्डों का निरीक्षण कर चिकित्सा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मरीजों और उनके परिजनों के लिए उपलब्ध सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। साथ ही, निर्माणाधीन ट्रॉमा आईसीयू और अन्य प्रोजेक्ट्स की प्रगति की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों से फीडबैक प्राप्त किया।

एम्स प्रशासन और विभिन्न चिकित्सकीय विभागों के प्रमुख चिकित्सकों के साथ हुई बैठक में केंद्रीय मंत्री शेखावत ने विशेष रूप से आईसीयू और ट्रॉमा आईसीयू की व्यवस्थाओं को बेहतर करने पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि एम्स जोधपुर देश के प्रमुख एम्स संस्थानों में से एक है और यह राजस्थान, विशेषकर पश्चिमी राजस्थान के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा केंद्र है। ऐसे में यहां श्रेष्ठ चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

शेखावत ने कहा कि जनता को आयुष्मान भारत और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से बेहतर चिकित्सा सेवाएं देना सरकार की जिम्मेदारी है। एम्स में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरंतर प्रयास है कि यहाँ कोई भी मरीज परेशान न हो। जनता की समस्याओं और शिकायतों को किसी भी स्थिति में नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता।

केंद्रीय मंत्री ने एम्स प्रशासन को ओपीडी, आईसीयू और समस्त स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

उन्होंने आश्वासन दिया कि एम्स में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए किसी प्रकार की वित्तीय बाधा नहीं आने दी जाएगी।

उन्होंने निर्देश दिए कि एम्स जोधपुर स्थानीय डॉक्टर एस.एन. मेडिकल कॉलेज और उससे जुड़े अस्पतालों के साथ समन्वय स्थापित कर संयुक्त रूप से कार्य करें, जिससे क्षेत्रीय जनता को अधिक लाभ मिल सके।

ग्रीष्म ऋतु में निर्बाध पेयजल एवं बिजली आपूर्ति हो सुनिश्चित

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को ग्रीष्म ऋतु में निर्बाध पेयजल एवं विद्दत आपूर्ति के निर्देश दिये हैं। शुक्रवार को गोविंदगढ़ पंचायत समिति के धोबलाई में जिला कलक्टर की रात्रि चौपाल एवं रात्रि विश्राम कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

रात्रि चौपाल कार्यक्रम में जिला कलक्टर ने आमजन की परिवेदनाएं सुनी एवं सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर फीडबैक भी लिया। इस दौरान जिला कलक्टर ने अधिकारियों को रास्ता खोलो अभियान के तहत रास्ता खुलवाने, अतिक्रमण हटाने, सीमज्ञान, पत्थरगढ़ी, नामांतरण सहित समस्त प्रकार के राजस्व प्रकरणों के समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिये।

जिला कलक्टर ने मनरेगा के तहत 35 लाख के विकास कार्यों की स्वीकृत करने के साथ-साथ ही खेल मैदान विकसित करने, पात्र लाभार्थियों को पालनहार सहित अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से लाभांवित करने के निर्देश दिये।

जिला कलक्टर की अपील पर ग्रामीण भामाशाहों ने राजकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए 8 कंप्यूटर लगवाने की घोषणा की। वहीं, जिला कलक्टर ने ग्रामीणों को खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के गिवअप अभियान के लिए प्रेरित किया जिससे प्रभावित होकर कुछ नागरिकों ने मौके पर ही गिवअप अभियान के तहत आवेदन कर दिया। इस दौरान पंच गौरव प्रोत्साहन योजना के तहत आंवले एवं लिसोड़ा का पौधारोपण किया गया साथ ही कबड्डी मैदान पर मुकाबले का भी आयोजन हुआ।

जिला कलक्टर के रात्रि चौपाल कार्यक्रम के दौरान विभागीय अधिकारियों ने आमजन को सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान उपखंड अधिकारी दिलीप सिंह राठौड़ सहित पुलिस विभाग, राजस्व विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, विद्दत विभाग, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, शिक्षा विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति की प्रस्तावित जयपुर यात्रा को लेकर मुख्यमंत्री ने ली तैयारियों की समीक्षा बैठक

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की प्रस्तावित (21 से 24 अप्रेल) जयपुर यात्रा को लेकर की जा रही तैयारियों के संबंध में शनिवार सुबह मुख्यमंत्री निवास पर अधिकारियों की बैठक ली।

शर्मा ने निर्देश दिए कि उपराष्ट्रपति वेंस की जयपुर यात्रा को यादगार और ऐतिहासिक बनाने के लिए संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय के साथ सभी तैयारियां समय से पूर्ण करें। उन्होंने पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि सुरक्षा से संबंधित सभी व्यवस्थाएं पूर्व में ही सुनिश्चित कर ली जाएं। साथ ही, शहर में यातायात नियंत्रण को लेकर भी समुचित व्यवस्था रखी जाए।

मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपराष्ट्रपति की जयपुर यात्रा से संबंधित विभिन्न कार्यों के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को प्रभारी नियुक्त किया जाए।

राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की प्रस्तावित जयपुर यात्रा में उनके साथ धर्मपत्नी श्रीमती उषा वेंस, उनके बच्चे और अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ सदस्य भी शामिल होंगे। इस दौरान उपराष्ट्रपति का जयपुर के ऐतिहासिक स्थलों के भ्रमण का कार्यक्रम भी प्रस्तावित है।

रेलवे बोर्ड के सदस्य (ट्रैक्शन एवं रोलिंग स्टॉक) का जयपुर दौरा

-जयपुर जंक्शन स्टेशन, खातीपुरा स्टेशन एवं मैकेनाइज्ड लाउंड्री का किया निरीक्षण

जयपुर,(रॉयल पत्रिका)। रेलवे बोर्ड के सदस्य (ट्रैक्शन एवं रोलिंग स्टॉक) ने शनिवार को उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर का दौरा कर रेलवे स्टेशनो का निरीक्षण किया और अधिकारियों के साथ बैठक की।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशि किरण के अनुसार ब्रज मोहन अग्रवाल, सदस्य (ट्रैक्शन एवं रोलिंग स्टॉक) रेलवे बोर्ड ने शनिवार को जयपुर जंक्शन स्टेशन पर एकीकृत क्रू लॉबी और रनिंग रूम का निरीक्षण किया तथा सुरक्षित ट्रेन संचालन में सुधार के लिए सुझाव प्राप्त करने के उद्देश्य से रनिंग स्टाफ से बातचीत की। उन्होंने वंदे भारत ट्रेन के रखरखाव के लिए विकास के तहत बुनियादी सुविधाओं को देखने के लिए जयपुर कोचिंग डिपो की वाशिंग लाइन का निरीक्षण किया।

अग्रवाल ने लिनन की धुलाई की गुणवत्ता की जांच के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सक्षम लिनन निरीक्षण और छंटाई सहायक (एलआईएसए) प्रणाली की कार्यप्रणाली को देखने के लिए करतारपुरा जयपुर स्थित मशीनीकृत लांड्री का भी निरीक्षण किया।

उन्होंने खातीपुरा स्टेशन पर बन रहे कोचिंग डिपो का भी निरीक्षण किया। फिर उन्होंने अमिताभ, महाप्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उत्तर पश्चिम रेलवे मुख्यालय में समीक्षा बैठक की। निरीक्षण एवं बैठक के दौरान शिवेंद्र मोहन, प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर, एस के गुप्ता, प्रमुख मुख्य विद्दत इंजीनियर, विकास पुरवार, मंडल रेल प्रबंधक जयपुर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

राजस्थान सिविल सर्विस डे - 2025, विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का होगा आयोजन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। सिविल सर्विस डे -2025, 21 अप्रैल के अवसर पर रविवार (20 अप्रैल) को सवाई मानसिंह स्टेडियम जयपुर में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा जिसमे सिविल सर्विस के अधिकारी एवं कर्मचारी सिविल सर्विस कप में भाग लेंगे।

इस अवसर पर प्रात: 6:30 बजे से एसएमएस स्टेडियम में क्रिकेट, रस्साकसी, शतरंज, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, और लॉन टेनिस खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा।

गौरतलब है की नेशनल सिविल सर्विस डे हर साल 21 अप्रैल को मनाया जाता है। इस दिन प्रशासनिक सेवा से जुड़े अधिकारियों को उनकी अनुकरणीय सेवा के लिए सम्मानित किया जाता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा यमुना जल की प्रगति की करेंगे समीक्षा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका) । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 21 अप्रेल को झुन्झुनु जिले के पिलानी में हरियाणा और राजस्थान की टास्क फोर्स की द्वितीय संयुक्त बैठक से पूर्व यमुना जल की प्रगति की समीक्षा करेंगे। इस बैठक में हरियाणा सरकार के उच्च अधिकारी भी शामिल होंगे। दोनों राज्य की टास्क फोर्स की द्वितीय संयुक्त बैठक आगामी 25 अप्रेल को हिसार में आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 1994 में राजस्थान, उत्तरप्रदेश, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश एवं नई दिल्ली के बीच हुए यमुना जल समझौते के अन्तर्गत ताजेवाला हैड (हथिनीकुण्ड बैराज) पर मानसून अवधि (जुलाई से अक्टूबर) में 1917 क्यूसेक (वार्षिक 577 एम.सी.एम.) जल राजस्थान को आंवटित किया गया था।

लेकिन आवंटित जल को राजस्थान लाने के लिए 30 वर्षों से गतिरोध बना हुआ था। सीकर, झुन्झुनु एंव चुरू जिलों की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करने की दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अथक प्रयासों, केन्द्र सरकार के सकारात्मक सहयोग व केन्द्रीय जल आयोग के हस्तक्षेप के फलस्वरूप यह गतिरोध दूर हुआ एवं 17 फरवरी, 2024 को राजस्थान व हरियाणा के मुख्यमन्त्रियों एवं केन्द्रीय जलशक्ति मन्त्री की उपस्थिति में समझौता हुआ।

समझौते के तहत प्रथम चरण में ताजेवाला हैड (हथिनीकुण्ड बैराज) से पेयजल हेतु जल को राजस्थान लाने के लिए प्रवाह प्रणाली की संयुक्त रूप से डीपीआर बनाने पर सहमति बनी।

इस समझौते की क्रियान्विति की दिशा में डीपीआर तैयार करने के लिए राजस्थान एवं हरियाणा सरकार द्वारा टास्क फोर्स का गठन किया गया। संयुक्त डीपीआर बनाने के संबंध में अतिरिक्त मुख्य सचिव, जल संसाधन विभाग, राजस्थान एवं हरियाणा के मध्य 26 मार्च, 2025 को चंडीगढ़ में बैठक आयोजित हुई। इसके पश्चात हरियाणा व राजस्थान की टास्क फोर्स की प्रथम संयुक्त बैठक गत 07 अप्रेल को यमुनानगर (हरियाणा) में आयोजित हुई जिसमें अलाईनमेंट के क्रम में वास्तविक धरातलीय परीक्षण किये जाने पर प्राथमिक चर्चा हुई।

इस योजना के तहत तीन भूमिगत पाईपलाईनों के माध्यम से हथिनीकुंड बैराज से चुरू जिले में हांसियावास जलाशय तक जल लाया जाना प्रस्तावित है। ऊपरी यमुना बेसिन (हथिनीकुण्ड बैराज के अपस्ट्रीम) में रेणुकाजी व लखवार स्टोरेज परियोजनाओं का एमओयू हो चुका है जिसके अनुरूप राजस्थान द्वारा हिस्सा राशि 77 करोड़ 90 लाख रूपये का भुगतान हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखण्ड को किया जा चुका है। किशाऊ का एमओयू होना शेष है।

इन परियोजनाओं के पूर्ण होने के बाद हथिनीकुण्ड बैराज पर राजस्थान के हिस्से का 201 एमसीएम जल मानसून पश्चात् वर्ष पर्यन्त इन्हीं पाईपलाइनों से राजस्थान को उपलब्ध हो सकेगा। योजना की प्रभावी मॉनिटरिंग एवं त्वरित क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार गम्भीर है एवं इसी क्रम में जल संसाधन विभाग द्वारा अलग से अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता, यमुना जल का नवीन पद सृजित किया गया है। राज्य सरकार के प्रयासों से शेखावाटी अंचल में यमुना जल लाने की क्रियान्विति शीघ्र स्वरूप लेने लगेगी।

नवीन मेडिसन ब्लॉक का हुआ शुभारम्भ

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय अजमेर के परिसर में नवीन मेडिसिन ब्लॉक का शुभारम्भ शुक्रवार को किया गया। अजमेर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा स्वीकृत परियोजना राशि रूपए 37.8 करोड की लागत से निर्मित मेडिसिन ब्लॉक का लोकार्पण किया गया। नवीन मेडिसिन ब्लॉक के जी प्लस 6 मंजिला भवन में 258 सामान्य बैड तथा 40 सुपर स्पेशियलिटी आईसीयू बैड क्षमता होगी।

आईसीयू में 40 सुपर स्पेशियलिटी बैड हैं। ओपीडी में 20 चिकित्सकों की ओपीडी, डीडीसी दवाई वितरण केन्द्र, सोनोग्राफी कक्ष, एआरटी सेन्टर, ईसीजी रूम, फैकल्टी रूम, सेमिनार रूम, बोर्ड मिटिंग रूम, लाईब्रेरी, लिफ्ट, बेसमेंट पार्किंग, फायर फाईटिंग सिस्टम, सोलर वाटर हीटर के अतिरिक्त समस्त बैड एवं उपकरण को सेन्टर ऑक्सीजन सप्लाई से जोड़ा गया हैं।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अपने संबोधन में कहा कि जेएलएन चिकित्सालय संपूर्ण संभाग के लिए चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराता है। इसका लाभ अजमेर एवं नागौर के निवासियों को अधिक मिलता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने चिकित्सालय के विकास के लिए पूर्ण सहयोग प्रदान किया है। अब तक 2000 करोड़ से अधिक का बजट मिला है। सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक के लिए प्रथम चरण में 65 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। बारिश के दौरान पानी के भरने की समस्या के समाधान के लिए भी 50 करोड़ से कार्य करवाए जाएंगे। चिकित्सा महाविद्यालय का नवीन परिसर का कार्य निर्माणाधीन है।

इसका कार्य जल्द ही पूर्ण होने से सुविधाओं में काफी विस्तार होगा। महिला चिकित्सालय में पीजी हॉस्टल तथा जेएलएन चिकित्सालय में सर्जिकल ब्लॉक मय ट्रॉमा सेंटर का कार्य भी चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार में लाभप्रद होगा।

मरीजों एवं परिजनों के लिए एक रुपए में स्वाभिमान भोजन उपलब्ध कराना अपने आप में एक बड़ा कदम है।

उन्होंने कहा कि चिकित्सालय में बढ़े हुए पलंगों की संख्या के अनुपात में फैकल्टी में भी बढ़ोतरी होनी चाहिए। हृदय रोग विभाग के लिए फैकल्टी की तत्काल आवश्यकता है। पूर्व हृदय रोग चिकित्सक डॉ. महला को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्होंने कहा कि डॉ. महला के कार्य के प्रति समर्पण से सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए।

चिकित्सालय में आने वाले मरीज का संपूर्ण उपचार सुनिश्चित होना चाहिए। गर्मी के कारण मौसमी बीमारियों में बढ़ोतरी होती है। इस कारण मरीजों की संख्या में भी वृद्धि होने की संभावना रहती है। इसके लिए स्थानीय डिस्पेंसरी में पर्याप्त स्टाफ होना चाहिए। कोई भी व्यक्ति चिकित्सा सुविधा से वंचित नहीं रहे ऐसा प्रयास सभी मिलकर करें। श्रेष्ठ अजमेर स्वस्थ अजमेर बनाने के कार्य में सबका सहयोग अपेक्षित है। परिजनों को दी जाने वाली सुविधाओं में भी भविष्य में वृद्धि की जाएगी।

हजरत बुर्रहानुद्दीन चिश्ती की दुआ से कामयाबी कदम चूमती है - पठान

मनोहरपुर, (रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नदीम खान पठान ने कहा कि हजरत बुर्रहानुद्दीन चिश्ती रहमतुल्ला आलेह की दुआ से कामयाबी कदम चूमती है। यह शब्द पठान ने ग्राम ताला में बाबा के चल रहे मेले में शिरकत करने के बाद में उपस्तिथ लोगो को सम्बोधित करते हुए कहे। पठान ने कहा कि यही कारण है कि भारत के कोने-कोने से अकीदतमन्द बाबा के यहां पर आकर हाजरी दे रहे हैं जिधर भी देखो उधर ही बाबा के दीवाने हाथों में झंडा और लबों पर बाबा के नारे लगाते हुए आरहे है इनका सवागत हिन्द मुस्लिम सभी कर रहे है ठंडे पानी की प्याऊ व शर्बत की स्टाल लगाकर और पुष्पवर्षा करके सवागत कर रहे है। पठान ने कहा कि जब भी कोई जायरीन मुसीबत में होता है और वह हजरत बाबा बुर्रहानुद्दीन चिश्ती को याद करता है तो बाबा उसकी तुरंत मदद करते हैं। पठान ने बाबा के फातेहा पढ़कर भारत देश की सलामती व अमन चैन की दुआएं मांगी। दरगाह के खादिमान ने पठान के आने की ख़ुशी को जाहिर किया इस पर पठान को चाहने वालो की भीड़ लग गई इसके बाद में पठान की बेहतरीन तरीके से दस्तारबंदी की गई। लोगो के मुख से यही स्वर फूट रहे थे कि नदीम खान पठान का रुतबा आज भी कायम है। पठान ने शायराने अंदाज में कहा कि "निगाहे वली में वो तासीर देखी, बदलती हुई रोज़ हजारों की तक़दीर देखी"।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

संक्षिप्त समाचार

बुलढाणा में श्रद्धालुओं से भरी ट्रैवल वैन सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई, 38 लोग घायल

बुलढाणा , एजेंसी। महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में श्रद्धालुओं से भरी ट्रैवल वैन सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में 38 लोग घायल हो गए, जिनमें तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, यह हादसा देर रात जिले में मलकापुर-नंदुरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर वडनेर भोलजी के पास हुआ। श्रद्धालुओं से भरी ट्रैवल वैन हैदराबाद के कुनेर से शिरडी जा रही थी, तभी वडनेर भोलजी के पास वैन अनियंत्रित होकर खड़े ट्रक से टकरा गई। हादसे की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। तुरंत सभी घायल श्रद्धालुओं को इलाज के लिए मलकापुर उपजिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां तीन लोगों की हालत नाजुक बताई जा रही है। शुरुआती जांच में तेज रफ्तार या ड्राइवर की झपकी को हादसे की वजह माना जा रहा है। फिलहाल, पुलिस हादसे की जांच कर रही है। बता दें कि इससे पहले 15 अप्रैल को बुलढाणा जिले में खामगांव-नांदुरा हाईवे पर आमसारी फाटा के पास मध्य प्रदेश परिवहन निगम की बस और ईंटों से लदे ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई थी। इस दुर्घटना में तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई और करीब 20 लोग घायल हो गए थे। हादसे के बाद स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़े और पुलिस को हादसे की जानकारी दी। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को इलाज के लिए पास के अस्पताल भेज दिया था। वहीं, दो अप्रैल को बुलढाणा जिले में दुर्घटना शेगांव-खामगांव राजमार्ग पर दो यात्री बसों और एक बोलेरो जीप की आपसी टक्कर हो गई थी। इस हादसे में पांच लोगों की जान चली गई थी, जबकि 24 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। हादसे की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस से तुरंत घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया था। शुरुआती जांच में पुलिस ने हादसे का कारण तेज रफ्तार और लापरवाही माना था।

छत्तीसगढ़ में आईएफएस अफसर गिरफ्तार, बांटने के बजाए डकार गए 7 करोड़, सुकमा में थे वन अधिकारी

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में एक आईएफएस अफसर को गिरफ्तार किया गया है। उन पर 7 करोड़ रुपए गबन करने का आरोप है। आर्थिक अपराध शाखा ने डीएफओ को रायपुर की स्पेशल कोर्ट में पेश कर पूछताछ करने के लिए कस्टोडियल रिमांड की मांग की है। छत्तीसगढ़ के बस्तर में तेंदूपत्ता बोनस घोटाले में एंटी करप्शन ब्यूरो और आर्थिक अपराध शाखा ने बड़ी कार्रवाई की है। ईओडब्ल्यू-एसीबी ने वन विभाग के डीएफओ अशोक पटेल को गिरफ्तार किया है। ईओडब्ल्यू ने डीएफओ को रायपुर की स्पेशल कोर्ट में पेश कर पूछताछ करने के लिए कस्टोडियल रिमांड की मांग की है। ऐसा पहली बार है जब दोनों एजेंसियों ने किसी आईएफएस अफसर को गिरफ्तार किया है। बता दें कि पिछले दिनों सुकमा जिले में 12 स्थानों पर एसीबी-ईओडब्ल्यू ने छापा मारा था। यह छापेमारी तेंदूपत्ता बोनस गबन मामले में की गई थी। एसीबी-ईओडब्ल्यू ने प्रेस विज्ञप्ति भी जारी की थी। ईओडब्ल्यू ने सुकमा जिले में 12 स्थानों पर छापेमार कार्रवाई करते हुए मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, बैंक अकाउंट और निवेश से संबंधित दस्तावेज जब्त किए थे। डीएफओ कार्यालय के कर्मचारी के निवास से नकद 26 लाख रुपए भी बरामद किए गए थे। अशोक सुकमा जिले के डीएफओ थे। घोटाला उजागर होने के बाद राज्य शासन ने उन्हें निलंबित कर दिया था।डीएफओ ने कई समिति प्रबंधकों के साथ मिलकर आपराधिक षड़यंत्र किया और साल 2021- 2022 में तेंदूपत्ता तोड़ाई सीजन का प्रोत्साहन पारिश्रमिक दिया ही नहीं। यह रकम करीब 7 करोड़ रुपए था। वन विभाग के अफसरों ने तेंदूपत्ता संग्राहकों को रुपए देने के बजाए गबन कर लिया। इस रकम को कुछ निजी व्यक्तियों को भी दिया गया था। इस मामले में केस दर्ज किया गया है। एसीबी-ईओडब्ल्यू ने सीपीआई नेता, डीएफओ कार्यालय कर्मचारी राजशेखर, प्राथमिक लघु वनोपज समिति के प्रबंधकों के घर दस्तावेजों की जांच-पड़ताल भी की थी।

अधर में लटकी कर्नाटक की जाति जनगणना

अभी जारी नहीं होंगे नतीजे; 2 मई को अगली बैठक

बेंगलुरु, एजेंसी।
कर्नाटक सरकार ने जाति जनगणना (सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक सर्वेक्षण) के नतीजों को स्वीकार करने पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है। गुरुवार को आयोजित विशेष मंत्रिमंडल बैठक में इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा हुई, लेकिन कोई निष्कर्ष नहीं निकला। अब इस मामले पर अगली चर्चा 2 मई को होने वाली मंत्रिमंडल बैठक में होगी।

अतिरिक्त जानकारी की मांग की है: कानून और संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल ने पत्रकारों को बताया कि मंत्रिमंडल ने सर्वेक्षण के तकनीकी विवरण और अतिरिक्त जानकारी की मांग की है, जिसे वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा 2 मई की बैठक में प्रस्तुत किया जाएगा। पाटिल ने कहा, चर्चा अधूरी रही, लेकिन यह सौहार्दपूर्ण थी। हमने विभिन्न समुदायों की जनसंख्या, उनके पिछड़ापन और अन्य मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि प्रमुख समुदायों की जनसंख्या के आंकड़ों को लेकर उठाए गए विवाद इस चर्चा का हिस्सा नहीं थे।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में मंत्रियों से सर्वेक्षण पर अपने विचार लिखित रूप में प्रस्तुत करने को कहा गया है, ताकि अगली बैठक में इन पर विचार किया जा सके। सूत्रों के अनुसार, मंत्रियों के बीच खुले तौर पर चर्चा के लिए तैयार न होने के कारण सिद्धारमैया ने सभी की राय सुनने और सर्वेक्षण के सभी समुदायों के लिए लाभकारी होने की बात पर जोर दिया।

वोक्कालिगा और वीरशैव-लिंगायत समुदायों ने किया विरोध गौरतलब है कि वोक्कालिगा और वीरशैव-लिंगायत समुदायों ने इस सर्वे को अवैज्ञानिक बताते हुए इसे खारिज करने और एक नया सर्वेक्षण कराने की मांग की है। पाटिल ने यह भी स्पष्ट किया कि अगली कैबिनेट बैठक 24 अप्रैल को एम एम हिल्स में होगी, लेकिन उस बैठक में सर्वेक्षण रिपोर्ट पर चर्चा नहीं की जाएगी। उस बैठक में पुराने मैसूर क्षेत्र से संबंधित मुद्दे लिए जाएंगे। सूत्रों के अनुसार, कैबिनेट मंत्रियों से कहा गया है कि वे सर्वेक्षण को लेकर अपनी राय लिखित रूप में 2 मई की बैठक में प्रस्तुत करें। इसके साथ ही, सरकार ने सर्वेक्षण से जुड़ी जानकारियों को जनता के सामने लाने का निर्णय लिया है ताकि फैल रही भ्रामक सूचनाओं का मुकाबला किया जा सके। साथ ही यह भी बताया गया कि सरकार उन आरोपों का खंडन करेगी जिसमें कहा गया था कि डोर-टू-डोर सर्वेक्षण नहीं किया गया। बता दें कि हाल ही में जाति सर्वे की रिपोर्ट कैबिनेट के सामने पेश की गई थी। 11 अप्रैल को बहुप्रतीक्षित सामाजिक-आर्थिक एवं शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट को कर्नाटक कैबिनेट के समक्ष पेश किया गया था।

कोर्ट में चलाया गया तमिलनाडु के मंत्री का वीडियो, जज भी रह गए हैरान, तुरंत एफआईआर दर्ज करने का आदेश

चेन्नई, एजेंसी।
तमिलाडु सरकार में मंत्री के पोनमुडी की दिक्कतें बढ़ती हुई दिखाई दे रही हैं। एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने हिंदू धर्म को लेकर अभद्र टिप्पणी की थी। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए मद्रास हाई कोर्ट ने उनके खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। इसके अलावा कोर्ट ने डीजीपी से एक्शन रिपोर्ट मांगी है। एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने यह आदेश जारी किया है। कोर्ट ने पुलिस से कहा, अगर आप एफआईआर नहीं दर्ज करते तो कोर्ट प्रशासन के खिलाफ स्वतः संज्ञान करके अवमानना की कार्रवाई करेगा।

पोनमुडी पर आरोप है कि उन्होंने शैव और वैष्णवों को लेकर अभद्र टिप्पणी की। उन्होंने सनातन तिलक की तुलना सेक्स पोजीशन से की थी। मंत्री ने अपने बयान को लेकर माफी भी मांगी है। जज ने कहा, इस मामले को लेकर अलग-अलग एफआईआर दर्ज करने की जगह एक ही एफआईआर दर्ज की जाए। आय से अधिक संपत्ति मामले में बरी किए जाने के बाद मंत्री के खिलाफ पीआईएल फाइल की गई थी। कोर्ट में चलाया गया मंत्री का वीडियो

गुरुवार को सुनवाई के दौरान पोनमुडी का भाषण कोर्टरूम में चलाया गया। इसके बाद कोर्ट ने कहा कि उनका बयान वाकई में दुर्भाग्यपूर्ण है। कोर्ट ने कहा कि मंत्री के पद पर आसीन एक शख्स को इस तरह के बयान नहीं देने चाहिए। कोर्ट ने कहा कि पोनमुडी के शब्द उसी तरह हैं जैसे कि कमान से निकला हुआ तीर। अब माफी मांगने का भी कोई मतलब नहीं है। कोर्ट ने कहा कि अगर किसी और ने इस तरह का बयान दिया होता तो उसपर अब तक 50 केस दर्ज हो गए होते। जज ने कहा, भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। इसी तरह हेट स्पीच भी अस्वीकार्य है। कोर्ट ने कहा कि अभिनेत्री कश्तूरी, बीजेपी नेता एच राजा और अन्नामलाई के खिलाफ भी कार्रवाई की गई थी। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर शिकायत नहीं भी दर्ज होती है तब भी हेट स्पीट मामले में केस दर्ज किया जाना चाहिए। बता दें कि विवाद के तूल पकड़ने के बाद डीएमके ने पोनमुडी को डिप्टी जनरल सेक्रेटरी के पोस्ट से हटा दिया था। वह फिलहाल तमिलनाडु सरकार में वन मंत्री हैं। पोनमुडी ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान तिलक की तुलना सेक्स पोजीशन से कर दी थी और चुटकुले सुनाए थे। इसके बाद बीजेपी नेता अन्ना मलाई ने डीएमके पर हमला किया। बीजेपी का कहना है कि पोनमुडी को कैबिनेट से बर्खास्त किया जाना चाहिए।

61 साल की उम्र में दिलीप घोष करने जा रहे हैं शादी, कौन है भाजपा नेता की दुल्हनिया

कोलकाता, एजेंसी।
भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष अब जल्द ही दांपत्य जीवन में कदम रखने जा रहे हैं। खबरों के मुताबिक वह शुक्रवार को कोलकाता स्थित अपने आवास पर एक सादे समारोह में शादी करेंगे। रिंकू मजूमदार उनकी दुल्हनिया बनने जा रही हैं। वह भी भाजपा की सदस्य हैं। दिलचस्प बात यह है कि यह शादी दिलीप घोष के लिए निजी जीवन में एक बड़ा बदलाव है क्योंकि वह अब तक अविवाहित रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, रिंकू ने ही पहले शादी का प्रस्ताव दिया था, खासकर तब जब दिलीप घोष को पिछली लोकसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था।

शादी सादे और पारिवारिक माहौल में आयोजित की जा रही है जिसमें केवल करीबी रिश्तेदार और मित्र शामिल होंगे। किसी भी तरह का भव्य आयोजन फिलहाल नहीं रखा गया है।

कौन हैं रिंकू मजूमदार?: रिंकू मजूमदार तलाकशुदा हैं और

एक बेटे की मां हैं। उनका बेटा अब वयस्क हो चुका है और कोलकाता के सॉल्ट लेक के सेक्टर वी में एक आईटी कंपनी में कार्यरत है। रिंकू को हाल ही में 3 अप्रैल को ईडन गार्डन में भी देखा गया था, जिससे इस नए रिश्ते की अटकलें और तेज हो गई थीं। यह शादी दिलीप घोष के निजी जीवन में नया अध्याय तो खोल ही रही है, साथ ही राजनीतिक हलकों में भी चर्चा का विषय बन गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रिंकू न्यूटाउन में भाजपा महिला मोर्चा की नेता हैं। दिलीप घोष ही उन्हें पार्टी में लेकर आये थे। यह भी पता चला है कि दिलीप घोष अपनी मां के कहने पर शादी के लिए राजी हो गए हैं। कुछ दिन पहले दिलीप घोष ईडन गार्डन्स में आईपीएल मैच देखने गए थे। तभी इसकी पुष्टि हो गई थी। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रिंकू ने खुद दिलीप घोष की मां पुष्पलता घोष से बात की और उन्हें शादी के लिए राजी किया। गौरतलब है कि दिलीप अपनी मां को अपने न्यूटाउन स्थित फ्लैट पर ले आए हैं। यहीं पर रिंकू की पुष्पलता देवी से बातचीत हुई थी।

गे डेटिंग ऐप से दोस्ती और कमरे पर मिलने बुलाकर किया नंगा; फिर हुआ ऐसा

गाजियाबाद , एजेंसी। गाजियाबाद के मधुबन बापूधाम में गे डेटिंग ऐप से दोस्ती कर एक युवक को कमरे पर बुलाने और नग्न कर पिटाई का वीडियो बनाकर एक लाख रुपये वसूलने का मामला सामने आया है। पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। कविनगर थानाक्षेत्र में रहने वाले युवक का कहना है कि उसने चैटिंग के लिए ग्राइंडर ऐप डाउनलोड किया था। ऐप के माध्यम से उसकी बातचीत शाश्वत नाम के युवक से शुरू हुई। 14 अप्रैल को शाश्वत ने उसे गोविंदपुरम स्थित सीएनजी पंप पर मिलने के लिए बुलाया और वहां से एक मकान में ले गया। युवक के मुताबिक, उसे कमरे में बैठाकर शाश्वत पानी लाने के बहाने से बाहर चला गया। कुछ देर बाद वहां कुछ अन्य युवक कमरे में पहुंचे और चोरी का झूठा आरोप लगाकर धमकाते हुए पुलिस में शिकायत करने तथा उसके परिवार को बदनाम करने की धमकी दी। इस दौरान एक युवक ने उसे तमंचा दिखाकर गोली मारने की धमकी दी तथा उसके कपड़े उतरवाकर उसकी वीडियो बनाई। युवक का आरोप है कि इसके बाद आरोपियों ने उसे आधा घंटे तक कमरे में बंधक बनाए रखा और नग्न हालत में ही जमकर पीटा। आरोपियों ने नग्नावस्था में उसका वीडियो बनाया और उसे वायरल करने की धमकी देकर छह खातों में 98 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए। काफी देर तक सड़क पर घुमाते रहे आरोपी ÷ पीड़ित युवक के मुताबिक, आरोपियों ने धमकी दी कि अगर उसने इस बारे में किसी को बताया तो नग्नावस्था में उसकी पिटाई का वीडियो वायरल कर देंगे और उसके परिजनों को भी वीडियो भेज देंगे। युवक का कहना है कि इसके बाद शाश्वत काले रंग की स्कूटी पर और ऋषभ उसे बाइक पर बैठाकर काफी देर तक सड़क पर घुमाते रहे। इस दौरान भी वह उसे चुप बैठने की धमकी देते रहे। आखिर में वह उसे आई-ब्लॉक स्थित बस स्टैंड पर छोड़कर फरार हो गए। युवक का कहना है कि दहशत में आकर उसने घटना वाले दिन पुलिस को कोई शिकायत नहीं दी, लेकिन 16 अप्रैल की रात को हिम्मत जुटाकर कविनगर थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की गुहार लगाई।

500 एकड़ में बनेगा मेडिकल डिवाइस पार्क, 40 नई कंपनियां करेंगी निवेश; क्या-क्या मिलेंगी सुविधाएं

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा सेक्टर-28 स्थित मेडिकल डिवाइस पार्क (एमडीपी) अब 500 एकड़ में विकसित होगा। यहां पर निवेश के लिए 40 नई कंपनियों ने पंजीकरण कराया है। यह कंपनियां गंभीर बीमारी से बचाव के उपकरण तैयार करेगी। यमुना प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि सेक्टर-28 में 350 एकड़ में मेडिकल डिवाइस पार्क विकसित हो रहा था, जिसे अब 500 एकड़ में विकसित करने की तैयारी है। इसमें से अबतक 179 एकड़ में 74 कंपनियों को भूखंड आवंटित भी किए जा चुके हैं। इनमें से 36 ने लीज डीड करा ली

है और एक कंपनी का निर्माण कार्य पूरा हो गया है, जबकि 11 निर्माणधीन है। वही अब देश विदेश की 40 नई कंपनियों ने भी एमडीपी में निवेश के लिए पंजीकरण कराया है। बता दें कि मई के बाद एयरपोर्ट से उड़ान प्रस्तावित है। एयरपोर्ट शुरू होने के बाद यमुना सिटी के औद्योगिक सेक्टरों में गतिविधियां बढ़ेंगी। ऐसे में मेडिकल डिवाइस पार्क में ज्यादा से ज्यादा निवेश का मौका प्रदान किया जा रहा है। यहां एफडीआई के तहत निवेश करने वाली कंपनियों को पॉलिसी के तहत 75 फीसदी लैंड सब्सिडी, रिसर्च एंड डेवलपमेंट के लिए दो करोड़ रुपये, पांच साल के लिए पीएफ, 100 करोड़ कैपिटल सब्सिडी सहित अन्य लाभ प्रदान किए जाएंगे। मेडिकल डिवाइस पार्क में सभी दुर्लभ और गंभीर बीमारियों से जुड़े मेडिकल उपकरण तैयार होंगे। दूसरे देशों पर निर्भरता कम होगी मेडिकल डिवाइस पार्क में सभी दुर्लभ और गंभीर बीमारियों से जुड़े मेडिकल उपकरण तैयार होंगे।

महिलाओं ने स्वरोजगार में पुरुषों को पछाड़ा, यूपी ने हिमाचल प्रदेश को भी दी मात

नैनीताल, एजेंसी। रोजगार की तलाश में गांव छोड़कर शहरों में भटक रहे पुरुषों के सामने स्वरोजगार में सफल महिलाओं ने बड़ा उदाहरण पेश किया है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय कर ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तराखंड में के ग्रामीण क्षेत्रों में 80 फीसदी से अधिक महिलाएं स्वरोजगार से जुड़ी हैं। यूपी की महिलाओं ने स्वरोजगार मामले में हिमाचल प्रदेश को भी मात दी है। पुरुषों में ये आंकड़ा 55 फीसदी से भी कम है। उत्तराखंड में महिलाएं हमेशा से ही अर्थव्यवस्था का आधार रही हैं। बीते सप्ताह भारत सरकार ने एक रिपोर्ट जारी की। इसमें महिलाओं और पुरुषों के स्वास्थ्य, शिक्षा और अर्थव्यवस्था में भागीदारी की जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में दिए आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला कि देशभर में स्वरोजगार के मामले में ग्रामीण महिलाएं आगे हैं। उत्तराखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में ये औसत देश से भी बेहतर है। यहां 82.1प्रतिशत महिलाएं स्वरोजगार करती हैं जबकि स्वरोजगार से जुड़े पुरुष करीब 54प्रतिशत है। हालांकि शहरी क्षेत्रों में 45.3प्रतिशत पुरुष स्वरोजगार कर रहे हैं जबकि यहां महिलाओं का आंकड़ा 39प्रतिशत ही है। देशभर की बात करें तो ग्रामीण क्षेत्रों में 59.4प्रतिशत पुरुष व 73.5प्रतिशत महिलाएं स्वरोजगार से जुड़ी हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में खेती के अलावा महिलाओं के स्वरोजगार का सबसे बड़ा कारण स्वयं सहायता समूह और मनरेगा बने हैं। सरकार की मदद से चल रहे इन समूहों में बड़ी संख्या में महिलाएं जुड़ी हैं। इन महिलाओं ने स्थानीय उत्पादों को नई पहचान भी दिलाई है। इसमें होमस्टे, जड़ी बूटी जूस, मसाले, अचार, स्थानीय परिधान, मोटे अनाज से तैयार विभिन्न उत्पाद प्रमुख तौर पर शामिल हैं। स्वरोजगार के साथ-साथ महिलाओं के प्रयास देशभर में उत्तराखंड को नई पहचान भी दे रहे हैं।

23 सालों से कैशियर का काम, मिल रही थी चपरासी की सैलरी

भुवनेश्वर, एजेंसी।
क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि कोई महिला पिछले 2 दशकों से बैंक कैशियर का काम कर रही थी लेकिन उसे सैलरी मिल रही थी महज एक चपरासी की? हाल ही में उड़ीसा से एक ऐसा ही मामला सामने आया है जिसे सुनकर आप भी हैरान रह जाएंगे। इस मामले में ओडिशा हाईकोर्ट ने राज्य के एक कॉपरेटिव बैंक को जमकर फटकार लगाई है। बैंक ने सुनवाई के दौरान 54 वर्षीय महिला को तत्काल रूप से वेतन देने का निर्देश दिया है। महिला लगभग 24 सालों से कैशियर के रूप में काम कर रही थी लेकिन उसे सैलरी महज चपरासी जितनी मिल रही थीं।

हाईकोर्ट में यूनाइटेड पुरी-नीमापारा सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक से जुड़े एक मामले में सुनवाई चल रही थी। महिला कर्मचारी द्वारा दायर 14 साल पुराने मामले का निपटारा करते हुए जस्टिस एमएस रमन की एकल पीठ ने अपने फैसले में कहा कि चूंकि वह 24 सालों से अधिक समय से कैशियर के रूप में अपना कर्तव्य ईमानदारी और निष्ठा से निभा रही है, इसलिए उसे कैशियर के पद के लिए मिलने वाले वेतन से वंचित नहीं किया जा सकता।

कोर्ट ने बैंक को आदेश दिया, निम्न ग्रेड के वेतन वाले उच्च पद पर कार्यरत कर्मचारी की सेवा का दो दशकों से अधिक समय तक शोषण करने के बाद, उसे चपरासी

के पद पर नियमित करना कठोर कदम होगा। अगर कोई कर्मचारी उच्च पद के कर्तव्यों का निर्वहन करता है तो उसे उच्च वेतनमान पाने के उसके अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है, खासकर तब जब नियमों के अनुसार उसकी पात्रता और पद पर उसकी क्षमता पर कोई सवाल न हो। बता दें कि तिलोत्तमा बलियारसिंह नाम की इस महिला को जुलाई 1999 में पुनर्वास सहायता योजना के तहत अस्थायी चपरासी के रूप में नियुक्त किया गया थ। उनके पति सहकारी बैंक की एक शाखा में प्रबंधक थे जिनकी मृत्यु हो गई थी। 2001 में उन्हें अक्टूबर 2001 में बैंक का प्रभारी कैशियर बनाया गया था, लेकिन बैंक ने उन्हें कैशियर के पद पर पदोन्नत करने के बजाय, अक्टूबर 2011 में उन्हें चपरासी के रूप में नियमित कर दिया। बैंक के फैसले से आहत होकर बलियारसिंह ने 2011 में उड़ीसा उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। सुनवाई के दौरान उनके वकील ने तर्क दिया कि केंद्रीय सहकारी बैंकों के कर्मचारी सेवा नियम, 1984 के तहत उनके पास कैशियर के पद के लिए योग्यता थी क्योंकि वह छह साल से अधिक के अनुभव और अच्छे सेवा रिकॉर्ड के साथ मैट्रिक पास थीं। हालांकि बैंक ने तर्क दिया कि ओडिशा के केंद्रीय सहकारी बैंकों के लिए मानव संसाधन नीति के अनुसार पदोन्नति अधिकार का मामला नहीं है और नियमों के तहत बलियारसिंह के पास कैशियर के पद पर सीधी भर्ती के लिए योग्यता नहीं थी। बैंक के तर्क को खारिज करते हुए, उच्च न्यायालय ने कहा कि बैंक के मौजूदा नियमों के अनुसार, किसी मृतक कर्मचारी की विधवा को योग्यता के अनुरूप किसी भी पद पर नियुक्त किया जा सकता है। न्यायालय ने कहा कि स्थायी रिक्ति की कमी के कारण शुरू में अस्थायी चपरासी के रूप में नियुक्त किए जाने के बावजूद, बैंक की ओर से दो दशकों से अधिक समय तक उच्च पद पर उनकी सेवाओं का शोषण करना और उन्हें कम वेतन के साथ निचले ग्रेड में नियमित करने का इरादा रखना बैंक की मनमानी है।

फरीदाबाद में दो छात्राओं का किडनैप, एक के साथ गैंगरेप; दूसरी सकुशल वापस घर लौटी

फरीदाबाद , एजेंसी। फरीदाबाद के बल्लभगढ़ में दो युवकों ने कंप्यूटर कोर्स कर रही दो छात्राओं को अपनी बातों में उलझाकर अगवा कर लिया और एक छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म किया। जबकि एक छात्रा उनके चंगुल से बच निकली। पीड़ित छात्रा और उसकी सहेली एक निजी इंस्टीटयूट से कंप्यूटर कोर्स कर रही हैं। वे 15 अप्रैल की सुबह करीब 10÷00 बजे अपने घर से इंस्टीट्यूट जाने के लिए बल्लभगढ़ बस अड्डा पहुंची थीं। इसी बीच वहां एक युवक पहुंचा। उसके बाद उसका एक और परिचित युवक आ गया।

पहले आए युवक ने शीतला माता मंदिर का पता पूछा। इस तरह बातों में उलझाकर एक युवक ने छात्राओं के हाथ में गेंदे का फूल, पीपल का पत्ता और पत्थर रख दिया। इसी बीच वे दोनों छात्राओं को अग्रवाल कॉलेज के पास ले गए। उनमें से एक छात्रा को उपरोक्त सामान को बस अड्डे पर रखने के लिए वापस भेज दिया और दूसरी छात्रा को ऑटो में बैठाकर उपरोक्त फूल, पत्ते को आईएमटी के पास पीपल के पेड़ के नीचे रखने का झांसा देकर ले गए। आरोपियों ने छात्रा को डराया कि सामान को पीपल के पेड़ के नीचे नहीं रखा तो उनकी जान चली जाएगी। वहां नहर किनारे जंगल में आरोपियों ने छात्रा के साथ दुष्कर्म किया। इसी बीच फोन बजने के चक्कर में उसे मौका मिला और वह भाग निकली। एसीपी महेश श्योराण ने बताया कि मेडिकल जांच में दुष्कर्म की पुष्टि हुई है। आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी की जा रही है।

भारत की सड़कों पर सुरक्षा को बनाना होगा सशक्त

नई दिल्ली, एजेंसी। पैराकोट की सहायक कंपनी पैरासेफ, यात्रा के सभी साधनों में सुरक्षा को प्राथमिकता देकर मोबिलिटी को पुनः परिभाषित करने के लिए समर्पित है। सड़क सुरक्षा टूल्स में क्रांतिकारी बदलाव लाने और सड़क जागरूकता को एक स्टैंडर्ड प्रैक्टिस के रूप में शामिल करने के लिए प्रतिबद्ध, पैरासेफ ने जागरूकता बढ़ाने और सुरक्षा में सुधार के लिए कार्रवाई योग्य जानकारी प्रदान करने के लिए व्यापक शोध किया है और श्वेत पत्र प्रकाशित किए हैं।भारत की सबसे ज़रूरी सार्वजनिक स्वास्थ्य और बुनियादी ढाँचे की चुनौतियों में से एक है- सड़क सुरक्षा। 2022 में, सड़क दुर्घटनाओं ने दुखद रूप से 1.68 लाख लोगों की जान ले ली। वाहन टेक्नोलॉजी और बुनियादी ढाँचे में महत्वपूर्ण प्रगति के बावजूद, मूल कारण अभी भी बने हुए हैं जो हैं- अज्ञानता (65 प्रतिशत) और कानूनों का कमज़ोर अमल (52 प्रतिशत)। पैरासेफ की रिपोर्ट इन महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रकाश डालती है, जिसमें टियर 2 और टियर 3 शहरों में सड़क सुरक्षा जागरूकता और अभ्यास की स्थिति पर विशेष ध्यान दिया गया है। पैरासेफ के सीईओ राजेश पोद्दार ने रिपोर्ट के निष्कर्षों पर कहा, ''सड़क सुरक्षा का मतलब सिर्फ़ नियमों का पालन करना नहीं है; यह जीवन बचाने के बारे में है। उद्योग जगत के अग्रणी के रूप में, सभी स्टेकहोल्डरों- सरकार, उद्योग और नागरिकों के बीच जवाबदेही को बढ़ावा देना हमारी ज़िम्मेदारी है। निष्कर्षों से पता चलता है कि सड़क सुरक्षा तैयारियों में अंतराल को पाटने की तत्काल आवश्यकता है। पैरासेफ में, हम मानते हैं कि प्राथमिक चिकित्सा किट और हार्नेस जैसे आवश्यक सुरक्षा उपायों के बारे में जागरूकता और पहुँच दुर्घटनाओं को काफी हद तक कम कर सकती है। अब समय आ गया है कि हम भारत की सड़कों पर हर यात्रा को सुरक्षित और अधिक सुरक्षित बनाने के लिए एकजुट हों।''

हंगामा ओटीटी की सबसे ज़्यादा देखी जाने वाली सीरीज 'हसरतें' का दूसरा सीजन रिलीज

मुंबई, एजेंसी। हंगामा ओटीटी प्लैटफ़ॉर्म पर सबसे ज्यादा देखे जाने वाली ओरिजनल सीरीज 'हसरतें' के पहले सीजन की शानदार सफलता के बाद अब आ रहा है इसका दूसरा सीजन। देश के सबसे लोकप्रिय डिजिटल एंटरटेन्मेंट प्लैटफ़ॉर्म में शुमार हंगामा डिजिटल मीडिया ने अपनी उस सीरीज के दूसरे सीजन की घोषणा की जिसका सभी को बेसब्री से इंतजार था और यह लोकप्रिय सीरीज है- 'हसरतें-2'। यह सीरीज एक साथ कई कहानियों या एपिसोड का गुलदस्ता है। 17 अप्रैल 2025 से शुरु होने वाली इस सीरीज के दो एपिसोड इस दिन जारी कर दिए जाएंगे और अपने सीजन-2 के साथ यह सीरीज दर्शकों को महिलाओं की भावनात्मक, अंतरंग और अनकही दुनिया में ले जाएगी। यह महिलाओं की इच्छाओं, पहचान और आजादी के सफर से आपको रूबरू करवाएगी। इस'हसरतें-2' सीरीज को शाकुंतलम टेलीफिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है। इसके निर्देशक हैं वैभव सिंह और अंशुमान के. सिंह। इस नए सीजन में छह कहानियां हैं। हर कहानी बोल्ड, झकझोरने वाली और सच्चाई के करीब है।

'द रॉयल्स' 9 मई से नेटफ्लिक्स पर

मुंबई, एजेंसी। नेटफ्लिक्स और प्रीतिश नंदी कम्युनिकेशंस पहिली बार साथ आ रहे हैं, एक ऐसी रॉयल रोम कॉम लेकर जो प्यार, जुनून और दमदार ड्रामा से भरपूर है। शाही हुकुमद्वारा, मोरपुर के राजसिंहासन के ढहते झूमरों के नीचे से जारी किया गया फरमान... 'द रॉयल्स' 9 मई को केवल नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर होगा। किसी ज़माने में, रंगीन शहर मोरपुर में एक शाही परिवार रहता था, जिनके पास खुद की कोई दौलत नहीं थी। फिर आई उनके बीचएक तेज-तर्रार लड़की, जो एक बिल्कुल अलग दुनिया से ताल्लुक रखती है। उसका एक ही मकसद होता है–शाही ज़िंदगी को संवारना। लेकिन मोरपुर पैलेस के 'गरीब राजकुमार' को संभालना, उतना आसान नहीं जितना लगता है। जब राजकुमार की चमचमाती दुनिया और आम कुमारी की ज़िद्द और हौसले से टकराती है, चिंगारियाँ उड़ती हैं, अहम टकराते हैं, और एक अनोखी प्रेम कहानी जन्म लेती है।प्रियंका घोष और नुपुर अस्थाना द्वारा निर्देशित, नेहा वीणा शर्मा द्वारा लिखित और प्रीतिश नंदी कम्युनिकेशंस के बैनर तले निर्मित 'द रॉयल्स' की कल्पना रंगिता और इशिता प्रीतिश नंदी की है, जिन्हें पॉप-कल्चर से भरपूर, तेज़ और प्रभावशाली कहानी कहने के लिए जाना जाता है।

वैन ह्यूसेन ने भोपाल में की स्टाइलिश एंट्री

भोपाल । भारत के प्रमुख प्रीमियम फैशन ब्रांड वैन ह्यूसेन ने अब भोपाल में अपना नया स्टोर भव्य अंदाज़ में लॉन्च किया है। यह स्टोर पहली मंज़िल, दैनिक भास्कर मॉल, एफ 35, डीबी सिटी मॉल, ज़ोन-1, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल में स्थित है जो शहर के सबसे व्यस्त और लोकप्रिय शॉपिंग हब्स में से एक है। यह स्टोर फॉर्मल वेयर, कैजुअल वेयर और अक्सेसरीज़ का शानदार संगम प्रस्तुत करता है, जो आज के मॉडर्न उपभोक्ताओं की बदलती ज़रूरतों को ध्यान में रखकर चुना गया है। फैशन, टेक्नोलॉजी और एक्सपीरियंस का अनोखा मेलः इस स्टोर की सबसे बड़ी खासियत है इसकी विविध प्रोडक्ट रेंज, जो प्रोफेशनल्स के साथ-साथ कैजुअल लुक्स पसंद करने वालों को भी आकर्षित करेगी। इंटीरियर डिज़ाइन में फ्लूइड पाथवेज, वॉर्म लाइटिंग, और मिनिमल रैकिंग सिस्टम का उपयोग किया गया है, जिससे प्रीमियम और आरामदायक इन-स्टोर अनुभव सुनिश्चित होता है।

भारतीय अरबपतियों पर धन की बारिश, दुनिया के अमीरों में बढ़ा अडानी-अंबानी का रुतबा

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू शेयर मार्केट में लगातार चार सत्रों की तेजी से दुनिया के अमीरों में एशिया के सबसे रईस शख्स मुकेश अंबानी का रुतबा बढ़ा है। भारत के दूसरे सबसे अमीर गौतम अडानी भी ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के टॉप 20 में एंट्री कर चुके हैं। रिलायंस ग्रुप के मालिक मुकेश अंबानी तो गुरुवार को दुनिया में सबसे अधिक पैसा कमाने वाले अरबपति थे। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स में अंबानी बुधवार के टॉप गेनर थे। उनके नेटवर्थ में 2.81 अरब डॉलर का इजाफा हुआ और अब वह 17वें से 18वें पायदान पर पहुंच गए हैं। अंबानी का नेटवर्थ 92.1 अरब डॉलर है।

निवेशकों ने एक दिन में चार लाख करोड़ रुपये से अधिक कमाए- बता दें भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को लगातार चौथे दिन गुलजार रहे और सेंसेक्स 1,509 अंक उछल गया। वहीं, निफ्टी में 414 अंक की तेजी आई। भारत पर टैरिफ वॉर का प्रभाव कम पड़ने की संभावना से निवेशक उत्साहित नजर आए और उन्होंने चौतरफा खरीदारी की। गुरुवार को आई तेजी से निवेशकों ने एक दिन में चार लाख करोड़ रुपये से अधिक कमाए।

इसकी बदौलत सेंसेक्स 1,508.91 अंक यानी 1.96 प्रतिशत उछलकर एक बार फिर 78,000 अंक के पार निकल गया। यह 78,553.20 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 414.45 अंक यानी 1.77 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,851.65 अंक पर बंद हुआ।

भारतीय अरबपतियों पर धन की बारिश

शेयर मार्केट में तेजी का असर भारतीय अरबपतियों की दौलत पर भी पड़ा। गुरुवार को उनपर धन की बारिश हुई और ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स टॉप गेनर्स में इंडियन बिलेनियर छाए रहे। दुनिया के 16वें नंबर के अरबपति मुकेश अंबानी कल के टॉपर थे। गुरुवार की कमाई में 5वें नंबर पर सुनील मित्तल थे।

भारतीय अरबपतियों पर धन की बारिश

दुनिया 60वें नंबर के अमीर मित्तल की संपत्ति में 1.12 अरब डॉलर का इजाफा हुआ। करीब इतनी ही कमाई के साथ गौतम अडानी छठे नंबर पर रहे। अब अडानी दुनिया के अमीरों की टॉप-20 लिस्ट में एंट्री कर चुके हैं। उनका नेटवर्थ 78.2 अरब डॉलर है। इनके बाद गुरुवार की कमाई में सातवें नंबर पर दिलीप सांघवी हैं। इनके नेटवर्थ में 988 मिलियन डॉलर का इजाफा हुआ है।

महारत्न कंपनी ने 1 लाख रुपये के बना दिए 56 लाख रुपये से ज्यादा

नई दिल्ली, एजेंसी। महारत्न कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड के शेयरों ने 20 साल में 1 लाख रुपये को 56 लाख रुपये से ज्यादा बना दिया है। कंपनी के शेयरों ने इतना तगड़ा रिटर्न बोनस शेयरों के दम पर दिया है। गेल ने पिछले 20 साल में अपने निवेशकों को 5 बार बोनस शेयर बांटे हैं। कंपनी का मार्केट कैप 1,20,000 करोड़ रुपये को पार कर गया है। कंपनी में पब्लिक शेयरहोल्डिंग 48.12त्न है। वहीं, भारत के राष्ट्रपति के पास कंपनी की 51.88त्न हिस्सेदारी है।

गेल ने 5 बार दिए हैं बोनस शेयर- महारत्न कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड ने अपने शेयरहोल्डर्स को पिछले 20 साल में 5 बार बोनस शेयर बांटे हैं। कंपनी ने अक्टूबर 2008 में निवेशकों को 1ः2 के रेशियो में बोनस शेयर दिया। यानी, कंपनी ने हर 2 शेयर पर 1 बोनस शेयर बांटा। कंपनी ने मार्च 2017 में 1ः3 के रेशियो में बोनस शेयर दिए। यानी, कंपनी ने हर 3 शेयर पर 1 बोनस शेयर अपने निवेशकों को दिया। गेल ने मार्च 2018 में भी 1ः3 के रेशियो में बोनस शेयर बांटे। कंपनी ने जुलाई 2019 में 1ः1 के रेशियो में बोनस शेयर दिए। यानी, कंपनी ने 1 पर 1 बोनस शेयर दिया। गेल ने सितंबर 2022 में 1ः2 के रेशियो में बोनस शेयर दिए।

गेल ने 1 लाख रुपये के ऐसे बना दिए 56 लाख रुपये- महारत्न कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड के शेयर 15 अप्रैल 2005 को 25.91 रुपये पर थे। अगर किसी व्यक्ति ने 15 अप्रैल 2005 को 1 लाख रुपये से गेल के शेयर खरीदे होते तो उसे कंपनी के 3800 शेयर मिलते। गेल ने साल 2008 से लेकर साल 2022 तक अपने शेयरहोल्डर्स को 5 बार बोनस शेयर का तोहफा दिया है। अगर कंपनी की तरफ से दिए गए बोनस शेयरों को जोड़ लें तो कुल शेयरों की संख्या बढ़कर 30,390 पहुंच जाती है। गेल (इंडिया) लिमिटेड के शेयर 17 अप्रैल 2025 को बीएसई में 186.95 रुपये पर बंद हुए हैं। इस हिसाब से 30,390 शेयरों की मौजूदा वैल्यू 56.81 लाख रुपये है। हमने अपने कैलकुलेशन में कंपनी की तरफ से दिए गए डिविडेंड को नहीं जोड़ा है।

गौतम अडानी भरेंगे सरकार की झोली !

केदारनाथ रोपवे प्रोजेक्ट में रेवेन्यू का बड़ा हिस्सा देने को तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। केदारनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए अच्छी खबर है। आने वाले दिनों में वह 8-9 घंटे का सफर सिर्फ कुछ ही मिनटों में पूरा कर पाएंगे। सरकार को भी सोनप्रयाग, गौरीकुंड और केदारनाथ को जोड़ने वाली रोपवे परियोजना से बिना किसी निवेश के अच्छी कमाई होगी। इस प्रोजेक्ट में अडानी एंटरप्राइजेज ने भी दिलचस्पी दिखाई है। कंपनी ने नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट लिमिटेड के साथ रेवेन्यू में लगभग 42त्न हिस्सेदारी देने की बात कही है। एनएचएमएल पूरे देश में ऐसी परियोजनाओं को लागू करने वाली एजेंसी है। लगभग 13 किलोमीटर का यह रोपवे बनने से यात्रियों का सफर बहुत आसान हो जाएगा। अभी गौरीकुंड से केदारनाथ का पैदल सफर पूरा करने में 8-9 घंटे लगने का समय लगता है। रोपवे से यह सफर में सिर्फ 36 मिनट में पूरा हो सकेगा।

इस प्रोजेक्ट के लिए चार में से तीन बोलीदाताओं ने एनएचएमएल के साथ रेवेन्यू साझा करने की पेशकश की है। एनएचएमएल पहले दो बार बोलियां रद्द कर दी थीं। फिर कुछ सुधार करने के बाद नई बोलियां मंगाई गईं। हाल ही में कैबिनेट ने 4,081 करोड़ रुपये की इस परियोजना को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मोड पर लागू करने की मंजूरी दी है। इस रोपवे से हर दिन 18,000 लोग सफर कर सकेंगे।

यानी साल में लगभग 32 लाख लोग इससे यात्रा कर पाएंगे। केदारनाथ मंदिर आमतौर पर छह महीने के लिए खुलता है। यह प्रोजेक्ट छह साल में पूरा होगा। बोली जीतने वाली कंपनी को 35 साल तक इसे चलाने, रखरखाव करने और किराया वसूलने का अधिकार मिलेगा।

केदारनाथ यात्रा अब हो जाएगा आसान, केंद्र सरकार ने रोपवे योजना को दी मंजूरी, 4 हजार करोड़ होंगे खर्च- सोनप्रयाग-केदारनाथ रोपवे में नई तकनीक का इस्तेमाल होगा। यानी इसमें तीन तारों पर चलने वाले गोंडोला होंगे, जिन्हें आसानी से अलग किया जा सकता है। हर गोंडोला में 36 यात्री बैठ सकेंगे। पिछले साल लगभग 23 लाख तीर्थयात्रियों ने केदारनाथ मंदिर के दर्शन किए थे। अधिकारियों ने बताया कि 12.4 किलोमीटर लंबी गोविंदघाट-घांघरिया-हेमकुंड साहिब रोपवे परियोजना के लिए वित्तीय बोलियां अगले हफ्ते खोली जाएंगी। इस प्रोजेक्ट का अनुमानित खर्च लगभग 2,730 करोड़ रुपये है। इससे हर दिन 11,000 यात्री यात्रा कर सकेंगे। रोपवे बनने से केदारनाथ और हेमकुंड साहिब जाने वाले यात्रियों को बहुत सुविधा होगी। उनका समय बचेगा और यात्रा भी आसान हो जाएगी। सरकार को भी बिना किसी निवेश के अच्छी कमाई होगी।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने एयू आईवी और एयू इटर्निटी ग्राहकों के लिए शुरू की कंसीयर्ज सेवाएं

मुंबई, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े स्मॉल फाइनेंस बैंक एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने अपने प्रीमियम बैंकिंग प्रोग्राम्स - एयू आईवी और एयू इटर्निटी के ग्राहकों के लिए विशेष कंसीयर्ज सेवा की शुरुआत की है। विशेष रूप से तैयार किया गया यह बैंकिंग प्रोग्राम, स्लक्के प्रतिष्ठित ग्राहकों को बैंकिंग के अलावा, उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करेगा।

कंसीयर्ज सेवाओं के माध्यम से ग्राहकों को यात्रा योजनाएं बनाने, अपॉइंटमेंट शेड्यूल करने और रोजमर्रा के कार्यों में सहायता जैसी कई सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इन सेवाओं का उद्देश्य ग्राहकों को उनकी जीवनशैली के अनुरूप सुविधाजनक और निर्बाध अनुभव प्रदान करना है। यह सेवा एयू एसएफबी के प्रीमियम ग्राहकों को तेज, प्रभावी और व्यक्तिगत सहायता प्रदान करने के लिए तैयार की गई है, जो ग्राहकों के अनुभव को और बेहतर बनाएगी। इस सेवा के साथ, एयू बैंक अपने ग्राहकों को परंपरागत बैंकिंग से कहीं ज्यादा और निजी सेवाएं देने की अपनी प्रतिबद्धता को और सशक्त बनाता है। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर और डिप्टी सीईओ, उत्तम टिबरेवाल ने कहा-हमें एयू आईवी और एयू इटर्निटी प्रोग्राम्स के ग्राहकों के लिए कंसीयर्ज सेवाओं की शुरुआत करते हुए बेहद खुशी हो रही है। इन सेवाओं के माध्यम से हम अपने यूएचएनआई ग्राहकों को विशेष जीवनशैली अनुभव प्रदान करना चाहते हैं। हमारा लक्ष्य बैंकिंग अनुभव को एक नई ऊंचाई पर ले जाना है, जहां व्यक्तिगत सेवा और विलासिता का मेल हो। हमें विश्वास है कि हमारे ग्राहक इन बेमिसाल सेवाओं और अनुभवों का भरपूर आनंद लेंगे।

एयू एसएफबी इनोवेशन और ग्राहक-केंद्रित बैंकिंग के अपने संकल्प को और मजबूत करता रहेगा, यह सुनिश्चित करते हुए कि उसके सम्मानित सदस्य ऐसी सेवाएं प्राप्त करें जो उनकी विशिष्ट जीवनशैली के अनुरूप हों।

क्रॉम्पटन ने महाराष्ट्र ऊर्जा विकास एजेंसी से सौर जल पंप ऑर्डर के साथ हरित ऊर्जा के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत किया

ऊर्जा विकास एजेंसी ने 10.60 करोड़ मूल्य के 433 सौर जल पंपों का ऑर्डर देकर नवीकरणीय ऊर्जा में क्रॉम्पटन की भूमिका को और भी मज़बूती दी

मुंबई, एजेंसी। पंप उद्योग में अपनी नवोन्मेषी समाधानों के लिए प्रसिद्ध क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज़्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कंपनी को प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री-कुसुम योजना (पीएम-कुसुम) के अंतर्गत सौर जल पंपिंग प्रणाली के लिए ऑर्डरमिलाहै। इस क्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत करते हुए, कंपनी को महाराष्ट्र ऊर्जा विकास एजेंसी से महाराष्ट्र के विभिन्न स्थानों पर 10.60 करोड़ से अधिक मूल्य के सौर फोटोवोल्टिक जल पंपिंग सिस्टम (एसपीडब्ल्यूपीएस) के डिजाइन, निर्माण, आपूर्ति, परिवहन, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग के लिए लेटर ऑफ अवार्ड (एलओए) प्राप्त हुआ है।

इस ऑर्डर के साथ, क्रॉम्पटन विश्वसनीय और कुशल सौर जलपंपिंगसमाधानों के माध्यम से टिकाऊ खेती को सुलभकरने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करना जारी रखेगा।

कंपनी की मज़बूत सेवा नेटवर्क, सक्षम चैनल पार्टनर और प्रदर्शन की विश्वसनीय विरासत इसे इस बढ़ती मांग को पूरा करने में सक्षम बनाती है।

क्रॉम्पटन के पंप टिकाऊपन और प्रदर्शन के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, जोपांच-चरणीय उत्पाद विकास प्रक्रिया, उन्नत विनिर्माण क्षमताओं और गहन अनुसंधान एवं विकास विशेषज्ञता से सुज्जित हैं। अगले कुछ वर्षों में पीएम-कुसुम योजना के तहत अधिक से अधिक सौर ऊर्जा से चलने वाले पंप लगाने की योजना के साथ, क्रॉम्पटन इस क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है।

अगले कुछ वर्षों में पीएम-कुसुम योजना के अंतर्गत औरअधिकसौर ऊर्जा चालित पंप लगाने की योजना के साथ, क्रॉम्पटन ऊर्जा दक्षता श्रेणी में प्रभाव डालनेकीदिशामेंएकमहत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

यह पहलस्वच्छ ऊर्जा समाधानों के माध्यम से कृषि में सतत प्रगति को बढ़ावादेनेकीक्रॉम्पटन की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

पीएम-कुसुमयोजना के कंपोनेंट-बीके हिस्से के रूप में यह पहल किसानों को पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों से नवीकरणीय ऊर्जा की ओर स्थानांतरित करने में सीधे योगदान देती है– जिससे आर्थिक और पर्यावरणीय दोनों लाभ होतेहैं।

यह प्रगतिऐसे समय में हुई है जब भारत के सबमर्सिबल वाटर पंप बाजार में तेजी से वृद्धि देखी जा रही है, जो कृषि, ग्रामीण जल आपूर्ति, शहरी बुनियादी ढांचे और औद्योगिक उपयोगजैसेक्षेत्रोंमेंबढ़ती मांग से प्रेरित है।

ताज लेकफ्रंट, भोपाल के हाउस ऑफ मिंग में पेश हुआ सिचुआन, कैंटोनीज़ और हुनान व्यंजनों का नया एक्साइटिंग मेन्यू

भोपाल। ताज लेकफ्रंट भोपाल के प्रतिष्ठित पैन-एशियन रेस्टोरेंट हाउस ऑफ मिंग ने 18 अप्रैल 2025 से अपना नया मेन्यू लॉन्च कर दिया है। अपने गौरवशाली पाक इतिहास और शानदार माहौल के लिए जाने वाले हाउस ऑफ मिंग अब सिचुआन, कैंटोनीज़ और हुनान व्यंजनों के ऑथेंटिक और बोल्ड फ्लेवर्स को मध्यप्रदेश के दिल में नए अंदाज़ में पेश कर रहे हैं हैं हाउस ऑफ मिंग उन गिने-चुने सिग्नेचर रेस्टोरेंट्स में से है, है, जिसमें चीन के इन तीन बेहतरीन फूड स्टाइल्स स्वाद आप एक ही जगह पर ले सकते हैं। जैसे-जैसे भोपाल एक शानदार फूड डेस्टिनेशन के रूप में उभर रहा है, ताज लेकफ्रंट अपने इस अनोखे मेन्यू के ज़रिए शहर के ग्लोबल फ्लेवर्स की तरफ बढ़ते कदमों का खूबसूरती से स्वागत कर रहा है, जहाँ नए फ्लेवर्स के साथ साथ क्लासिक्स टेस्ट भी बरकरार हैं। खास ध्यान और दिल से तैयार किया गया यह नया मेन्यू कुछ खास व्यंजनों को पेश करता है जैसे– स्टफ्ड मशरूम पेपर सेलेरी, मापो टोफू, सिचुआन एगप्लांट और ग्लूटिनस राइस। डिनर को और भी यादगार बनाते हैं इन-हाउस सिग्नेचर डिमसम्स जैसे प्रॉन ट्रफल सिउ माई और पैन-फ्रायड चिकन कोथे। वहीं मेन कोर्स में क्रिस्टल चिकन जैसे ऑप्शन बहुत बारीकी से तैयार किए गए हैं। सीफूड प्रेमियों के लिए स्कैलप्स, क्रैब्स, प्रॉन्स और लॉबस्टर का भी ज़बरदस्त सलेक्शन है। वहीं मीठे के शौकीनों के लिए एलीमेंट्स और वाइल्ड राइस पुडिंग जैसी डिज़र्ट्स एक्सपीरियंस अनुभव को खास बनाता है। हर डिश भोपाल के फूड लवर्स की पसंद को ध्यान में रखते हुए बनाई गई है।

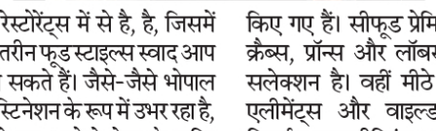

इन्फिनिक्स ने पेश किया नोट 50एस 5जी.

मुंबई। आधुनिक समय के स्मार्टफोन ब्रांड इन्फिनिक्स ने आज भारत में अपनी फ्लैगशिप डिवाइस - नोट 50एस 5जी.लॉन्च की यह एक पावरहाउस डिवाईस है जो डिज़ाइन, परफॉरमेंस और यूज़र एक्सपीरियंस के मामले में अपेक्षाओं को बढ़ा देगी। इस फ्लैगशिप डिवाइस ने अत्याधुनिक डिज़ाइन और टेक्नोलॉजी और 144हट्ज़ कर्व्ड एमोलेड डिस्प्ले के साथ भारत के सबसे स्लिम स्मार्टफ़ोन' के रूप में एक नया मानक स्थापित कर दिया है। नोट 50एस 5जी. आज से फ्लिपकार्ट पर तीन शानदार रंगों मरीन ड्रिफ्ट ब्लू (वीगन लेदर), टाइटेनियम ग्रे (मैटेलिक फ़िनिश), बरगुंडी रेड (मैटेलिक फ़िनिश) में 14,999 रुपये (सभी ऑफ़र सहित) के विशेष मूल्य में उपलब्ध है।

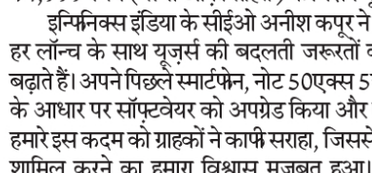

इन्फिनिक्स इंडिया के सीईओ अनीश कपूर ने कहा इन्फिनिक्स में हम अपने हर लॉन्च के साथ यूज़र्स की बदलती जरूरतों को पूरा करने की ओर कदम बढ़ाते हैं। अपने पिछले स्मार्टफोन, नोट 50एक्स 5जी.में हमने यूज़र्स के फीडबैक के आधार पर सॉफ्टवेयर को अपग्रेड किया और एक्सओएस 15 पेश किया। हमारे इस कदम को ग्राहकों ने काफी सराहा, जिससे निर्माण प्रक्रिया में यूज़र्स को शामिल करने का हमारा विश्वास मजबूत हुआ। नोट 50एस 5जी. में हमने प्रीमियम सीएमएफ बेहतरीन परफॉरमेंस और सेगमेंट के सबसे स्लिम 144हट्ज़ कर्व्ड एमोलेड डिस्प्ले के साथ हमने मानकों को और अधिक बढ़ा दिया है।

भारतीय गेहूं उद्योग को वैश्विक पहचान देने के लिए इंदौर में दो दिवसीय कॉन्क्लेव का आयोजन

● कॉन्क्लेव 24-25 अप्रैल को इंदौर के मैरियट होटल में ● नेतृत्व, नवाचार और सहयोग की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल

इंदौर। गेहूं और गेहूं उत्पादों के क्षेत्र में नवाचार, स्थिरता और मूल्य वर्धन को बढ़ावा देने के लिए कार्य करने वाले अग्रणी उद्योग संघ व्हीट प्रोडक्ट्स प्रमोशन सोसाइटी (डब्ल्यूपीपीएस) द्वारा आयोजित डब्ल्यूपीपीएस सीईओ कॉन्क्लेव 2025 आगामी 24-25 अप्रैल को इंदौर के मैरियट होटल में आयोजित किया जाएगा। यह दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय स्तर का कॉन्क्लेव भारत के गेहूं उद्योग को वैश्विक मंच पर स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। गेहूं और गेहूं आधारित उत्पाद- सतत विकास और बाज़ार नेतृत्व के लिए सहयोग विषय पर केंद्रित यह आयोजन, 400 से अधिक उद्योग प्रमुखों, अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों, नीति निर्माताओं, तकनीकी विशेषज्ञों और खाद्य नवाचार में कार्यरत प्रोफेशनल्स को एक साझा मंच प्रदान करेगा। यह मंच प्रोडक्शन से लेकर एक्सपोर्ट तक, पूरी सप्लाई चेन को सशक्त करने, उद्योग-नीति समन्वय को बढ़ावा देने और वैश्विक व्यापार के नए अवसरों पर विचार-विमर्श के लिए एक परफेक्ट मंच है।

कॉन्क्लेव के पहले दिन 24 अप्रैल को उद्घाटन सत्र में अनेक प्रतिष्ठित वक्ता शामिल होंगे जिनमें श्री सुनील अग्रवाल (अध्यक्ष, एम.पी. रोलर फ्लोर मिल्स एसोसिएशन), अजय गोयल (चेयरमैन, डब्ल्यूपीपीएस), डीन डायस (सीईओ, सीरियल्स कनाडा - वर्चुअल), जॉन साउथवेल (वरिष्ठ व्यापार एवं निवेश आयुक्त, ऑस्ट्रेड, ऑस्ट्रेलियाई सरकार), अविनाश चंदानी (पार्टनर, डेलॉइट इंडिया), प्रो. रमेश चंद (सदस्य, नीति आयोग) और डॉ. सुभ्रतो गुप्ता, आईएएस (सचिव, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार), पतंजलि फूड्स लिमिटेड के सीईओ श्री संजीव अस्थाना शामिल हैं।

इस अवसर पर डब्ल्यूपीपीएस के चेयरमैन अजय गोयल ने कहा, डब्ल्यूपीपीएस सीईओ कॉन्क्लेव 2025 न केवल भारत के गेहूं उद्योग के हितधारकों के लिए एक संवाद मंच है, बल्कि यह इस क्षेत्र को वैश्विक मानकों पर प्रतिस्पर्धी और सतत रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक प्रयास भी है। हमारा उद्देश्य केवल व्यापारिक विस्तार नहीं बल्कि न्यूट्रिशन, टिकाऊ प्रोडक्शन और टेक्नोलॉजी इंटेग्रेशन जैसे विषयों पर गंभीर विमर्श को बढ़ावा देना है। हमें विश्वास है कि यह कॉन्क्लेव किसानों, उद्यमियों और नीति निर्माताओं के बीच नई संभावनाओं को जन्म देगा।

पीरियड्स के बारे में अभी भी शर्म और संकोच के साथ की जाती है बातः सामंथा

अपनी बेबाकी के लिए मशहूर अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु ने पीरियड्स के बारे में खुलकर बात की। बातचीत में उन्होंने कहा कि पीरियड्स के बारे में बातचीत अभी भी शर्म, फुसफुसाहट और संकोच के साथ की जाती है। सामंथा ने बताया, हम महिलाओं ने बहुत तरक्की कर ली है, बहुत आगे आ गए हैं। फिर भी पीरियड्स के बारे में बात करने की बारी आती है तो अभी भी चुप्पी, फुसफुसाहट और शर्म, संकोच के साथ बात की जाती है। अभिनेत्री ने अपने पॉडकास्ट टेक20 के एक एपिसोड में न्यूट्रिशनिस्ट राशि चौधरी से पीरियड्स, साइकिल सिंकिंग, एंडोमेट्रियोसिस और महिलाओं की स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं पर बात की। उन्होंने बताया, राशि चौधरी से बात करके मुझे याद पता चला कि इन पुरानी धारणाओं को तोड़ना कितना महत्वपूर्ण है। हमारे साइकल मजबूत हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वे जीवन को पुष्ट करते हैं। यह ऐसा कुछ नहीं है जिस पर शर्मिंदा होना चाहिए या छिपाना चाहिए या, उस मामले को हल्के में नहीं लेना चाहिए। पॉडकास्ट के एक एपिसोड में सामंथा ने अपने शरीर, अपने रिश्ते, एंडोमेट्रियोसिस जैसी दुर्बल करने वाली बीमारी और एक महिला होने के नाते आने वाली चुनौतियों के बारे में खुलकर बात की। पॉडकास्ट में सामंथा ने कहा, पीरियड्स साइकल हमारे मन और शरीर को कैसे प्रभावित करता है, यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में हमें हर गुजरते साल के साथ लगातार सीखते रहना चाहिए। राशि, अपने अनुभव और अपने ज्ञान की गहराई के साथ चीजों को समझाने का एक बहुत ही स्पष्ट तरीका रखती हैं और मुझे खुशी है कि हम साथ मिलकर इस तरह की अच्छी बातचीत कर पाए जो सही मायने में समझने के लिए जरूरी है। फिल्मों की बात करें तो, सामंथा अपकमिंग फिल्म शुभम के साथ निर्माता की दुनिया में कदम रख चुकी हैं। सामंथा ने 7 अप्रैल को अपने पहले प्रोडक्शन का टीजर शेयर किया था। उन्होंने लिखा, हमारे प्यार से किया गया छोटा सा काम आपके सामने पेश है। बड़े सपनों वाली एक छोटी सी टीम! हमने इस यात्रा और साथ मिलकर जो कुछ भी बनाया है, उसके लिए अविश्वसनीय रूप से आभारी हैं। हम आशा करते हैं कि आपको हमारी फिल्म पसंद आएगी।

बेहतरीन अभिनेता हैं रणबीर कपूरः इमरान हाशमी

अभिनेता इमरान हाशमी की फिल्म 'ग्राउंड जीरो' सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। इस बीच इमरान हाशमी ने बात की। उन्होंने बॉलीवुड में उभरती प्रतिभाओं के बारे में खुलकर बात की और रणबीर कपूर को उनकी जनरेशन का बेस्ट स्टार बताया। उन्हें मौजूदा पीढ़ी के बेहतरीन अभिनेताओं में से एक बताते हुए हाशमी ने 'एनिमल' में रणबीर के अभिनय की तारीफ की। रणबीर की अभिनय क्षमता की तारीफ करते हुए इमरान ने कहा, मैं सोशल मीडिया ट्रोलिंग पर ज्यादा टिप्पणी नहीं करूंगा- यह शोर से भरा एक इको चैंबर है। इसे गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए। लेकिन रणबीर कपूर एक ऐसे अभिनेता हैं, जिनकी मैं वाकई प्रशंसा करता हूं। मुझे एनिमल में उनका अभिनय पसंद आया। कई युवा अभिनेता बेहतरीन काम कर रहे हैं और स्क्रीन पर नए नजरिए को ला रहे हैं। संदीप रेड्डी वांगा की एक्शन-थ्रिलर में रणबीर ने रणविजय सिंह की भूमिका निभाई, जो अपने पिता की रक्षा के लिए चट्टान की तरह खड़ा रहता है। जब उसके पिता की हत्या का प्रयास किया जाता है तो दुश्मनों से लड़ने के लिए वह आगे आता है। इस फिल्म में रणबीर कपूर के साथ अभिनेता बॉबी देओल, रश्मिका मंदाना, तृप्ति डिमरी और अनिल कपूर भी अहम भूमिकाओं में हैं। इमरान के लेटेस्ट प्रोजेक्ट ग्राउंड जीरो की बात करें तो, फिल्म में वह बीएसएफ कमांडेंट नरेंद्र नाथ धर दुबे की भूमिका निभाते हुए दिखाई देंगे, जिन्होंने गाजी बाबा को मारने के लिए ऑपरेशन को लीड किया था। इस मिशन को पिछले 50 वर्षों में बीएसएफ के बेस्ट ऑपरेशन के रूप में जाना जाता है।

फिल्म ग्राउंड जीरो में दुबे की भूमिका को लेकर इमरान हाशमी ने बताया, जब कोई अभिनेता इस तरह की भूमिका निभाता है, तो हमेशा एक शारीरिक, भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक पहलू शामिल होता है। शारीरिक रूप से मुझे एक अनुशासित बॉडी लैंग्वेज अपनानी पड़ी। जब आप एक कमांडिंग ऑफिसर की भूमिका निभा रहे होते हैं, तो व्यवहार महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने कहा, मुझे अपने शरीर पर भी काम करना पड़ा- वेट ट्रेनिंग, आहार में बदलाव, कैलोरी में वृद्धि- उनकी जनरेशन के बेस्ट स्टार भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक रूप से, मैंने बीएसएफ अधिकारियों से बात की और उनके हाव भाव को समझने की कोशिश की, ताकि मैं ऑपरेशन के दौरान उनकी मानसिक स्थिति, उनके परिवार की स्थिति और इस तरह के हाई रिस्क वाले पेशे से होने वाले भावनात्मक तनाव को समझ सकूं।

हजारों ख्वाहिशें ऐसी के 20 साल पूरे, चित्रांगदा सिंह ने बताया, कैसी थी शूटिंग के वक्त हालत

सुधीर मिश्रा की फिल्म हजारों ख्वाहिशें ऐसी के बुधवार को रिलीज होने के 20 साल पूरे हो गए। अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने पुरानी यादों को ताजा करते हुए बताया कि इस फिल्म ने उन्हें सिनेमा की दुनिया से परिचित कराया था।

सेट पर अपने पहले दिन को याद करते हुए, चित्रांगदा ने एक दिल छू लेने वाला वाकया शेयर किया। उन्होंने कहा, पहली बार मैंने एक सही मूवी कैमरा देखा था, वो भी शूटिंग के अपने पहले दिन। यह वह सीन था, जहां केके का किरदार गेस्ट हाउस में गीता से मिलने आता है। यह एक भावनात्मक क्षण था, जिसे लेकर मैं घबराई हुई थी। मैं उस एहसास को कभी नहीं भूल सकती। मुझे लगता है कि मैंने दो या तीन टेक में शॉट ओके कर दिया। सुधीर मिश्रा ने बस इतना ही कहा, चित्रांगदा, फिल्मों में आपका स्वागत है। मुझे आज भी वह दिन बहुत स्पष्ट रूप से याद है। सुधीर मिश्रा के निर्देशन में बनी, हजारों ख्वाहिशें ऐसी एक कल्ट क्लासिक बन गई, जिसे इसकी कहानी और मजबूत अभिनय के लिए सराहा गया। गीता के रूप में चित्रांगदा के चित्रण ने एक स्थायी छाप छोड़ी और दो दशक बाद भी इसकी सफलता का जश्न मनाया गया। भारतीय इमरजेंसी की पृष्ठभूमि पर आधारित, हजारों ख्वाहिशें ऐसी 1970 के दशक के तीन युवाओं के इर्द-गिर्द घूमती है, जब भारत बड़े पैमाने पर सामाजिक और राजनीतिक बदलावों से गुजर रहा था। फिल्म का टाइटल उर्दू शायर मिर्जा गालिब के शेर से लिया गया है।

चित्रांगदा अपनी पहली फिल्म में केके मेनन और शाइनी आहूजा के साथ नजर आई थीं। हाल ही में, चित्रांगदा को नेटफ्लिक्स सीरीज खाकी- द बंगाल चैप्टर में देखा गया था, जिसमें वह निबेदिता बसाक की भूमिका निभा रही हैं। इसके बाद, वह अक्षय कुमार के साथ बहुप्रतीक्षित सीक्वल हाउसफुल 5 में नजर आएंगी। इसमें चित्रांगदा के साथ रितेश देशमुख, संजय दत्त, फरदीन खान, नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, डिनो मोरिया, जैकलीन फर्नांडीज, नरगिस फाखरी, सोनम बाजवा, सौंदर्या शर्मा और चंकी पांडे जैसे एक्टर्स मुख्य भूमिकाओं में हैं। नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट बैनर के तहत साजिद नाडियाडवाला ने हाउसफुल 5 का निर्माण किया है।

अर्जुन कपूर हैं TVF के जबरदस्त फैन, दिल खोलकर की कंटेंट की तारीफ

आज के दौर के सबसे पसंदीदा कंटेंट बनाने वालों में से एक है। उन्होंने अपने मज़ेदार और दिल से जुड़े शो के ज़रिए लोगों के दिलों में खास जगह बना ली है। ज़ुड्डू वो नाम है जो ऑडियंस की सोच और पसंद को बखूबी समझता है, और शायद यही वजह है कि उनके शो आज की पीढ़ी के पॉप कल्चर का अहम हिस्सा बन चुके हैं। जहां एक तरफ ज़ुड्डू और उनकी कहानी कहने की स्टाइल को चारों तरफ सराहा गया है, वहीं एक्टर अर्जुन कपूर भी टीवीएफ और उनके शोज़ की तारीफ करते नज़र आए। अर्जुन कपूर खुद TVF के बड़े फैन लगते हैं। हाल ही के एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि उन्हें TVF एस्पिरेंट्स बेहद पसंद है और वो शो के एक्टर्स से मिल भी चुके हैं। अर्जुन ने आगे कहा, वो लोग हर वक्त अपनी मार्केटिंग नहीं करते, शायद इसीलिए हमें ये एहसास नहीं होता कि उन्होंने इतने जबरदस्त शोज़ बनाए हैं। अर्जुन कपूर ने TVF पिचर्स के लिए भी अपनी पसंद जाहिर की। उन्होंने कहा कि ये लोग अपनी असली ज़िंदगी के तजुर्बों से कहानियाँ गढ़ते हैं, और शायद यही वजह है कि इनके शोज़ इतने एंटरटेनिंग होते हैं।

अर्जुन ने ये भी कहा कि जब आपकी पहचान इतनी गहराई से जुड़ी हुई होती है, तो आपकी कहानी में एक अलग ही सच्चाई और असर दिखता है।

मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालती हैं निजी जीवन की अफवाहें: एआर रहमान

म्यूजिक कंपोजर, सिंगर एआर रहमान, अपने म्यूजिक कंसर्ट 'वंडरमेंट' की तैयारी में व्यस्त हैं। इस दौरान, उन्होंने बताया कि निजी जिंदगी से जुड़ी अफवाहें मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालती हैं। इंटरव्यू में एआर रहमान ने वंडरमेंट टूर की तैयारी, संगीत में एआई के इस्तेमाल, अफवाहों और मानसिक स्थिति पर पड़ने वाले असर को लेकर खुलकर बात की। जब उनसे पूछा गया कि, संगीत के लिए मन की प्रसन्नता की आवश्यकता होती है, तो क्या आपके बारे में चलने वाली खबरें और अफवाहें आपको प्रभावित करती हैं? रहमान ने जवाब दिया, मुझे लगता है कि अफवाहें असर डालती हैं और हर कलाकार इस स्थिति से गुजरता है। अफवाहें मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालती हैं। परिस्थिति में फंसे होने की वजह से वे दुखी और प्रभावित होते हैं और उस स्थिति में भी उन्हें काम करना पड़ता है। उस स्थिति में भी उन्हें छैया छैया या हम्मा हम्मा जैसे गाने करने पड़ते हैं। गायक हो या कोई और उस स्थिति में आप एक अभिनेता की तरह बन जाते जाते हैं। आप अंदर से भले ही दुखी होते हैं, लेकिन आपको दिखाना होता है कि आप खुश हैं। रहमान से पूछा गया कि जब उनके बारे में कुछ अफवाहें सामने आती हैं तो उन्हें कैसा लगता है? इस पर उन्होंने हल्के अंदाज में कहा, ऐसी बातों से असर पड़ता है, लेकिन मेरा मानना है कि यह जिंदगी का एक हिस्सा है। उतार-चढ़ाव जिंदगी में बने रहते हैं। एआर रहमान को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल हुआ था, जिसमें सामने आया था कि रहमान बैंड की गिटारिस्ट रहीं मोहिनी डे के साथ रिलेशन में हैं। इस अफवाह से व्यथित रहमान ने एक बयान जारी किया था। उन्होंने नोटिस भी जारी किया था, जिसमें उन्होंने अपने बारे में अपमानजनक खबरें फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की बात कही थी।

रेट्रो के बाद वादीवासल पर काम शुरू करेंगे सूर्या, जानिए कब होगी रिलीज

साउथ अभिनेता सूर्या की फिल्म वादीवासल की शूटिंग और इसकी रिलीज को लेकर एक अहम जानकारी सामने आई है, जिससे सुनने के बाद सूर्या के प्रशंसक थोड़े निराश जरूर हो जाएंगे। कार्तिक सुब्बाराज द्वारा निर्देशित फिल्म रेट्रो 1 मई को रिलीज के लिए तैयार है। इस फिल्म में सूर्या और पूजा हेगड़े की जोड़ी नजर आएगी। इस फिल्म के अलावा साउथ अभिनेता सूर्या के पास निर्देशक वेत्रिमारन की फिल्म वादीवासल भी है, जिसे लेकर नई जानकारी सामने आई है।

कब रिलीज होगी वादीवासल

123 डॉट कॉम के अनुसार, अभी तक सूर्या की फिल्म वादीवासल की शूटिंग शुरू हो जानी चाहिए थी, लेकिन इस फिल्म के निर्देशक वेत्रिमारन ने फिल्म के एनिमेट्रॉनिक्स पर ज्यादा ध्यान देने के साथ ही इसके प्री-प्रोडक्शन पर भी काफी समय दे दिया है, जिसकी वजह से फिल्म की शूटिंग में देरी हो गई है। निर्माता कलैपुली एस. थानू के अनुसार, वह वादीवासल को 2026 की गर्मियों के दौरान सिनेमाघरों में रिलीज करने का प्लान बना रहे हैं। यह फिल्म मई या फिर जून 2026 में रिलीज हो सकती है। वादीवासल तमिलनाडु के सबसे मशहूर पारंपरिक खेल जल्लीकट्टू पर आधारित है।

क्या नवाजुद्दीन पकड़ पाएंगे 1500 किलो सोना या मिलेगी मौत की सजा? कोस्टाओ का ट्रेलर रिलीज

नवाजुद्दीन की आगामी फिल्म कोस्टाओ का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म में अभिनेता एक कस्टम अधिकारी की भूमिका में नजर आए हैं। जानते हैं यह कब और कहां स्ट्रीम होगी? नवाजुद्दीन की आगामी फिल्म कोस्टाओ का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। यह फिल्म 1990 के दशक के गोवा के एक निडर कस्टम अधिकारी की दिलचस्प कहानी है। फैंस काफी समय से नवाज की फिल्म का इंतजार कर रहे थे। ट्रेलर के साथ निर्माताओं ने इसके प्रीमियर की डेट की भी घोषणा की है।क्या है ट्रेलर में? निर्माताओं द्वारा जारी किए गए ट्रेलर में नवाजुद्दीन एक जिद्दी कस्टम ऑफिसर की भूमिका में नजर आए हैं, जो आजाद भारत में सोने की सबसे बड़ी स्मगलिंग का खुलासा करना चाहते हैं। इस रैकेट में बहुत शक्तिशाली लोग शामिल हैं। अंदर के लोगों की मिलीभगत के चलते वह खुद जाल में फंस जाते हैं। उनके ऊपर हत्या का आरोप लग जाता है। इस बीच उनका परिवार भी कठिनाइयों का सामना करता है। नवाजुद्दीन 'रौतू का राज' के बाद एक बार फिर अधिकारी की भूमिका में दिखे हैं।

श्रीयंका पहली बार विश्व कप फाइनलिस्ट की सूची में, 50 मीटर राइफल 3पी इवेंट में 8वें स्थान पर रहीं

लीमा, एजेंसी। पेरिस ओलंपियन श्रीयंका सदांगी इस दोहरे चरण वाले दक्षिण अमेरिकी प्रवास पर पहली बार व्यक्तिगत विश्व कप फाइनल के लिए कट बनाने वाली नवीनतम भारतीय निशानेबाज बन गईं, उन्होंने चल रहे अंतर्राष्ट्रीय शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन चरण में महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन (3पी) स्पर्धा के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। श्रीयंका अंततः आठवें स्थान पर रहीं, स्टैंडिंग पोजिशन राउंड के 10वें शॉट के बाद बाहर हो गईं, जो 45 शॉट के फाइनल का 40वां शॉट था। पेरिस रजत पदक विजेता यूएसए की सेगेन मैडालेना ने स्वर्ण पदक जीता।

सेगेन के प्रयास ने यूएसए को तीन स्वर्ण और छह पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर पहुंचा दिया। प्रतियोगिता के तीसरे दिन के अंत में भारत दो स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक के साथ दूसरे स्थान पर था। भारतीय निशानेबाजों के लिए कुल मिलाकर चुनौतीपूर्ण दिन रहा, उनमें से कोई भी पुरुष 3पी फाइनल में नहीं पहुंच पाया और पुरुषों की 25 मीटर रैपिड-फायर पिस्टल (आरएफपी) स्पर्धा में क्वालीफाइंग के पहले दौर के बाद भी उन्हें बहुत कुछ करना था। महिलाओं की 3पी स्पर्धा में भी, पहले दो नीलिंग और प्रोन पोजीशन के बाद भारतीय खिलाड़ी बाहर दिख रहे थे, लेकिन तीनों - श्रीयंका, आशी चौकसे और पिछले विश्व कप की स्वर्ण विजेता सिफ्ट कौर समरा - ने फाइनल स्टैंडिंग पोजीशन में शानदार गति पकड़ी और क्वालीफाइंग मार्क के लिए दौड़ लगाई। श्रीयंका ने 588 के साथ सातवां स्थान हासिल किया, जबकि आशी ने सिफ्ट की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया, सिफ्ट 11वें स्थान पर रहीं और दोनों 587 पर रुक गईं और इस तरह मामूली अंतर से चूक गईं। फाइनल में, भारतीय ने अपने पहले प्रयास में 10.5 के साथ अच्छी शुरुआत की, लेकिन जैसे-जैसे फिनिशिंग की ओर बढ़ना शुरू हुआ, वह हारती चली गई। उसका सबसे अच्छा मौका तब था जब वह दूसरे प्रोन पोजीशन के दो और शॉट के साथ छठे स्थान पर पहुंच गई थी, लेकिन 9.8 और 9.3 के रिटर्न ने उसकी चुनौती को पूरी तरह से खत्म कर दिया। उसने अपने अंतिम शॉट के रूप में 9.9 के साथ समापन किया और 400.7 के साथ सातवें स्थान पर रहने वाली ब्राजील की जियोवाना मेयर के साथ बाहर हो गई। पुरुषों की 3पी में ऐश्वर्या तोमर, नीरज कुमार और चैन सिंह क्रमशः 17वें, 18वें और 19वें स्थान पर रहे। पहले दो नामितों ने 587 के समान स्कोर बनाए और कुछ अंकों से अंतिम क्वालीफाइंग मार्क से चूक गए, जबकि चैन ने 586 स्कोर बनाए। इस दिन 25 मीटर की स्पर्धा भी हुई, जिसमें अनीश, विजयवीर सिद्धू और गुरप्रीत सिंह सभी ने पुरुषों के आरएफपी में क्वालीफाइंग के पहले दिन शीर्ष छह क्वालीफाइंग मार्क से बाहर रहते हुए समापन किया।

सौरव कोठारी ने हासिल की खास उपलब्धि, पंकज आडवाणी को हराकर आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स चैंपियन बने

नई दिल्ली, एजेंसी। कोठारी (40 वर्ष) आडवाणी को 725-480 अंक से हराकर चैंपियन बने। कोठारी का 325 का ब्रेक मैच का सबसे शानदार पल था जो हालिया चैंपियनशिप के इतिहास में सबसे बेहतरीन प्रयास में से एक भी रहा। भारत के दिग्गज क्यू खिलाड़ी सौरव कोठारी ने आयरलैंड के कार्लो में कई बार के विजेता पंकज आडवाणी को फाइनल में हराकर 2025 आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स खिताब जीत लिया। क्यू स्पोर्ट्स की दुनिया ने बुधवार को स्नूकर और बिलियर्ड्स आयरलैंड (एसबीआई) अकादमी में प्रतिष्ठित खिताब के लिए भारत के दो बेहतरीन खिलाड़ियों- कोठारी और आडवाणी के बीच रोमांचक मुकाबला देखा।

कोठारी (40 वर्ष) आडवाणी को 725-480 अंक से हराकर चैंपियन बने।

कोठारी का 325 का ब्रेक मैच का सबसे शानदार पल था जो हालिया चैंपियनशिप के इतिहास में सबसे बेहतरीन प्रयास में से एक भी रहा। कोठारी ने 119 और 112 के ब्रेक भी लगाए। इस जीत से कोठारी ने पहला ऐतिहासिक आईबीएसएफ विश्व खिताब (टाइम्ड' प्रारूप) अपने नाम किया।

लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए निकहत की तैयारी कैसी?

पेरिस में पदक नहीं जीत पाने का अफसोस: निकहत

लखनऊ, एजेंसी। निकहत लखनऊ में जारी संवाद कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचीं और उन्होंने बताया कि भविष्य के लिए उनकी तैयारियां कैसी चल रही हैं और पेरिस ओलंपिक की निराशा को कामयाबी की ओर मोड़ना चाहती हैं। दो बार की विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता भारतीय महिला मुक्केबाज निकहत जरीन ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक में मिली निराशा के बाद से अब तक एक भी बाउट नहीं लड़ी है।

निकहत ने शुरू कर दी हैं तैयारियां

निकहत ने संवाद कार्यक्रम में खिलाड़ियों की राह, आसान या मुश्किल सत्र में लोगों को संबोधित किया। इस दौरान उनके साथ ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज विजेंद्र सिंह भी मौजूद थे। भविष्य के कार्यक्रम के बारे में पूछे जाने पर निकहत ने कहा, मेरा सपना रहा है ओलंपिक में भारत के लिए पदक जीतना। 2024 पेरिस ओलंपिक में मैं ये पूरा नहीं कर पाई। ये मेरे लिए एक निराशा रहेगी, लेकिन मैं इस निराशा को कामयाबी की ओर मोड़ना चाहती हूं।

मैंने तैयारी शुरू कर दी है और अभी मेरा पूरा ध्यान लॉस एंजिलिस ओलंपिक पर है। पेरिस ओलंपिक के बाद से मैंने किसी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया है। जल्द ही मैं प्रतिस्पर्धी सर्किट में उतरूंगी। मेरा पहला ध्यान तो सितंबर में होने वाले विश्व चैंपियनशिप पर है। वहां मैं अपने खिताब का बचाव करना चाहूंगी।

स्पर्स ने फ्रैंकफर्ट को हराकर यूरोपा लीग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया

बर्लिन, एजेंसी। डोमिनिक सोलंके की पहली हाफ की पेनल्टी निर्णायक साबित हुई, क्योंकि टोटेनहम हॉटस्पर ने इंट्राच फ्रैंकफर्ट पर 1-0 (कुल 2-1) की जीत के साथ यूईएफए यूरोपा लीग के सेमीफाइनल में जगह बनाई। लंदन में 1-1 की बराबरी से उत्साहित फ्रैंकफर्ट ने शानदार शुरुआत की। ह्यूगो एकिटिके ने शुरुआत में ही गोल करने का प्रयास किया, जबकि मारियो गोट्ज ने एक आशाजनक प्रयास किया, जो चूक गया। हालांकि, मेजबान टीम को 17वें मिनट में झटका लगा, जब गोट्ज जांघ की समस्या के कारण लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर चले गए, जिससे उन्हें जल्दी ही रणनीति बदलनी पड़ी। फ्रैंकफर्ट ने नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन स्पर्स के खेल में आगे बढ़ने के साथ ही वह बढ़त हासिल करने में विफल रहा।

जेम्स मैडिसन ने एक शॉट बचाया, लेकिन कुछ मिनट बाद गोलकीपर कौआ सैंटोस द्वारा गिराए जाने पर पेनल्टी जीत ली। सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सोलनके ने ब्रेक से ठीक पहले स्पॉट से गोल किया। फ्रैंकफर्ट ने खेल फिर से शुरू होने के बाद बढ़त हासिल की। फेरेस चाइबी ने गुग्लिल्मो विकारियो को एक शक्तिशाली फ्री-किक से परखा और गोलकीपर को फिर से अल्जीरियाई खिलाड़ी को नजदीकी रेंज से रोकने के लिए एक्शन में आना पड़ा। रिबाउंड राससमस क्रिस्टेंसन के पास गिरा, लेकिन राइट-बैक शॉट वाइड रहा। क्रिस्टेंसन के पास देर से दो और मौके आए, लेकिन वे नेट के पीछे नहीं पहुंच पाए,

जबकि एकिटिके का कॉर्नर से हेडर वाइड रहा। दूसरे हाफ में जोशपूर्ण प्रदर्शन के बावजूद, फ्रैंकफर्ट अनुशासित स्पर्स बैकलाइन को भेद नहीं सका। इस परिणाम के साथ फ्रैंकफर्ट का यूरोपीय अभियान समाप्त हो गया, क्योंकि इस सीजन में महाद्वीपीय प्रतियोगिता में कोई भी जर्मन टीम नहीं बची है। फ्रैंकफर्ट के कोच डिनो टॉपमोलर ने कहा, मुझे खिलाड़ियों पर बहुत गर्व है और आज रात उन्होंने जो किया, उस पर भी। उन्होंने मैदान पर अपना दिल लगा दिया और संघर्ष किया। उन्होंने गोल नहीं किया, उन्होंने बाकी सब कुछ किया।

अंत में, हमें हार स्वीकार करनी होगी, लेकिन हम और मजबूत होकर वापस आएंगे। हम इस प्रतियोगिता में सबसे युवा टीम हैं। हमारे परिणाम बहुत अच्छे रहे, हम एक टीम के रूप में आगे बढ़े, हम व्यक्तिगत स्तर पर आगे बढ़े, खिलाड़ी और कोच भी। असफलता सफलता का विपरीत नहीं है, यह सफलता का एक हिस्सा है। स्पर्स के कोच एंजे पोस्टेकोग्लू ने कहा, मुझे खिलाड़ियों पर बहुत गर्व है, उन्होंने वास्तव में कड़ी मेहनत की। हमें बचाव करना था, लेकिन हमने बचाव किया। हमारे पास आगे बढ़ने के लिए अपने पल थे, और मुझे लगता है कि दो लेग में, हम सेमीफाइनल में जाने के हकदार हैं। खिलाड़ी हमारे प्रदर्शन पर विश्वास करते हैं और मुझे उन पर बहुत गर्व है क्योंकि यह हमारे लिए एक बड़ा मैच था, इसमें कोई संदेह नहीं है; हमारे सीजन के लिए, हर चीज के लिए, और हम जो हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं, उसके लिए।

आईपीएल 2023:

गुजरात टाइटंस में ग्लेन फिलिप्स की जगह शामिल हुए दासुन शनाका

नई दिल्ली, एजेंसी। शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजरात टाइटंस को आईपीएल के इस सीजन में बड़ा झटका लगा था जब ग्लेन फिलिप्स कमर की चोट की वजह से टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे, लेकिन अब इस टीम में उनकी जगह श्रीलंकाई ऑलराउंडर दासुन शनाका को उनके रिप्लेसमेंट के तौर पर शामिल किया गया है। शनाका अब गुजरात के लिए सीजन के बचे हुए मैचों में खेलते हुए नजर आएंगे। ग्लेन फिलिप्स अपनी इंजरी के बाद स्वदेश वापस लौट चुके हैं।

दासुन शनाका ने ग्लेन फिलिप्स को किया रिप्लेस

गुजरात ने ग्लेन फिलिप्स को इस सीजन के लिए 2 करोड़ की बेस प्राइस पर खरीदा था, लेकिन एक मैच में फील्डिंग के दौरान उन्हें चोट लग गई थी और फिर वो मैदान से बाहर चले गए थे। बाद में पता चला की उनकी कमर में गंभीर चोट है और वो इस टीम के लिए बाकी के मैचों में खेलने के लिए उपलब्ध नहीं हो पाएंगे। वहीं दूसरी तरफ दासुन शनाका को साल 2023 में गुजरात टीम का हिस्सा बनाया गया था और वो इस सीजन में सिर्फ 3 ही मैच खेल पाए थे। अब उनकी फिर से गुजरात टीम में वापसी हुई है। शनाका को गुजरात फ्रेंचाईजी ने 75 लाख के बेस प्राइस पर खरीदा है।

दासुन शनाका का टी20 क्रिकेट करियर

श्रीलंका के 33 साल के क्रिकेटर दासुन शनाका दाएं हाथ से बल्लेबाजी करते हैं और इसी हाथ से मध्यमगति की तेज गेंदबाजी भी करते हैं। उनके आने से गुजरात को एक और ऑलराउंडर मिल गया है।

दासुन के टी20 क्रिकेट करियर की बात करें तो उन्होंने अब तक कुल 243 मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 3 शतक समेत 142.45 की स्ट्राइक रेट के साथ 4449 रन बनाए हैं। टी20 में उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 131 रन है जबकि इतने ही मैचों में उन्होंने 91 विकेट भी झटके हैं।

फिर लय में आ रहे हैं रोहित: मार्क बाउचर

मुंबई, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज मार्क बाउचर का मानना है कि खराब फॉर्म से जूझ रहे मुंबई इंडियंस के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा आईपीएल में लय में लौट रहे हैं और जल्दी ही बड़ी पारी खेलेंगे। रोहित इस सत्र में छह मैचों में अर्धशतक नहीं बना सके।

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ बृहस्पतिवार को 26 रन का स्कोर उनका सर्वोच्च स्कोर है। मुंबई इंडियंस के पूर्व मुख्य कोच बाउचर ने कहा, 'हमने इस मैच में रोहित शर्मा की शैली के बड़े छक्के देखे। मुझे उसके तेवर पसंद आए। उसने गेंदबाजों पर दबाव बनाया और रन बनाने के मौके तलाशे। वह जल्दी ही बड़ी पारी खेलेगा। वहीं नौ गेंद में 21 रन बनाने वाले मुंबई के कप्तान हार्दिक पांड्या के बारे में उन्होंने कहा, 'हार्दिक पांड्या दुनिया के सर्वश्रेष्ठ हरफनमौलाओं में से है। जब वह अच्छा खेलता है तो टीम जीतती है।

अब वह सिर्फ पावरप्ले में ही नहीं बल्कि बीच के ओवरों में भी गेंदबाजी कर रहा है और विकेट भी ले रहा है। इससे उसका आत्मविश्वास बढ़ेगा। बाउचर ने विल जैक्स के बारे में कहा, 'वह दबाव में लग रहा है और उस तरह से प्रदर्शन नहीं

रहा है, जैसा वह करना चाहता होगा। लेकिन वह शानदार खिलाड़ी है और जबर्दस्त हरफनमौला है। उसने कुछ अहम विकेट लिए जिससे बतौर बल्लेबाज भी उसका आत्मविश्वास बढ़ा है। आखिरकार वह योगदान दे पा रहा है और इस लय को कायम रखना चाहेगा।

5 मैच हारने वाली हैदराबाद की टीम प्लेऑफ में पहुंचेगी, ये है समीकरण

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई इंडियंस के खिलाफ 17 अप्रैल की शाम मिली हार, आईपीएल 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद की 5वीं हार रही. मतलब अब तक खेले 7 मैचों में से 5 मुकाबले एसआरएचहार चुकी है. मगर प्लेऑफ में पहुंचने का मौका उसके पास अब भी है.

5 मैच हारने के बाद भी आईपीएल में ऑरेंज आर्मी के नाम से मशहूर ये टीम टॉप फोर का टिकट कटा सकती है. वो क्रिकेट में कहावत है ना, जब तक आखिरी गेंद पड़ ना जाए, तब तक गेम ओवर नहीं समझो. कुछ ऐसा ही किस्सा सनराइजर्स हैदराबाद का भी है. आईपीएल 2025 में खेले पहले 7 में से 5 मैच तो वो हार चुके हैं. मगर बाकी के 7 मुकाबले अभी बचे हैं, जो उसे प्लेऑफ में पहुंचा सकते हैं.

आईपीएल 2025 के ग्रुप स्टेज पर सभी टीमों को 14-14 मुकाबले खेलने हैं. उसमें से 7 तकरीबन सभी ने खेल लिए हैं. पहले 7 मैचों में से 5 हार के बाद पॉइंट्स टेबल में सनराइजर्स हैदराबाद की हालत पतली है. 10 टीमों के दंगल वाले इस लीग में वो फिलहाल 9वें नंबर पर है. मगर उसके बाद टॉप फोर में पहुंचने का रास्ता हमेशा खुला है. अब सवाल है कि वहां तक वो पहुंचेंगे कैसे?

ये है एसआरएच के प्लेऑफ का सीधा समीकरण

सनराइजर्स हैदराबाद को टॉप फोर में जाने के लिए बाकी बचे हुए अपने 7 मैचों में कोशिश तो सभी जीतने की करनी होगी.मगर ऐसा नहीं हुआ तो उन्हें कम से कम 7 में से 6 मैच जरूर जीतने होंगे. उसके बिना उनका काम नहीं चलेगा.

पहले 7 मैच में से 2 जीतकर उनके खाते में 4 अंक हैं. वहीं अगले 7 मैच में से 6 जीतने के बाद ही उनके 12 अंक होंगे, जिससे कुल जमां करने पर उनके 16 अंक होंगे. ग्रुप स्टेज पर 16 अंक हासिल करना ही एक तरह से प्लेऑफ के टिकट का पहला पैमाना है.

काम मुश्किल है, नामुमकिन नहीं

बाकी बचे 7 मैचों में सनराइजर्स को 3 मुकाबले अपने होम ग्राउंड हैदराबाद में खेलने हैं. कहने को तो कह सकते हैं कि घर में मैच है तो डर कैसा? लेकिन पहले 7 मैचों में से जो 4 मैच इस टीम ने हैदराबाद में खेले हैं, उसमें से 2 जीते और 2 हारे हैं. मतलब मामला 50-50 का रहा है. उस सूरत में कहना होगा कि कदम जरा फूंक-फूंक कर रखना होगा. अगले 7 मैच में से 3 हैदराबाद में हैं तो बाकी के 4 मुकाबले चेन्नई, अहमदाबाद, बेंगलुरु और लखनऊ में खेले जाने हैं. साफ है चुनौती आसान नहीं है. लेकिन 2 बार की आईपीएल चैंपियन रह चुकी सनराइजर्स के लिए मुश्किल भी नहीं है. खासकर तब जब सवाल प्लेऑफ का हो.

प्रधानमंत्री मोदी ने की वंदना कटारिया के करियर की सराहना, बोले- नई पारी के लिए शुभकामनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की 32 वर्षीय पूर्व स्ट्राइकर वंदना ने भारत के लिए 320 मैच में 158 गोल किए और वह उस राष्ट्रीय टीम का हिस्सा थीं जिसने 2021 में टोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक चौथा स्थान हासिल किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हॉकी स्टार वंदना कटारिया के खेल में योगदान की सराहना करते हुए कहा कि अपने शानदार करियर में 320 अंतरराष्ट्रीय मैच में खेलना उनके कौशल और नेतृत्व का प्रमाण है जिसने भारतीय हॉकी को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली भारतीय महिला हॉकी खिलाड़ी कटारिया ने इस महीने की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय खेल से संन्यास की घोषणा की जिससे उनके 15 साल के करियर का अंत हो गया। इस 32 वर्षीय स्ट्राइकर ने भारत के लिए 320 मैच में 158 गोल किए और वह उस राष्ट्रीय टीम का हिस्सा थीं जिसने 2021 में टोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक चौथा स्थान हासिल किया। पीएम मोदी ने 'एक्स' पर साझा किए गए पत्र में लिखा, भारतीय महिला हॉकी टीम की एक बेहतरीन खिलाड़ी के तौर पर उपलब्धियों से भरे शानदार करियर की बधाई और जीवन की एक नई पारी शुरू करने के लिए आपको हार्दिक शुभकामनाएं। अपने खेल से देशवासियों को गर्व के अनेक अवसर देते हुए आपने विभिन्न प्रतियोगिताओं में देश के तिरंगे को ऊंचा रखने में बड़ा योगदान दिया। हरिद्वार के रोशनाबाद में जन्मी कटारिया का जन्म साधारण पृष्ठभूमि से हुआ था। उनके पिता भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) में तकनीशियन के रूप में काम

करते थे। उन्होंने जाति-आधारित और लिंग-आधारित गालियों के साथ-साथ खराब स्वास्थ्य और अवसाद से जूझते हुए भारतीय हॉकी की दिग्गज खिलाड़ी बनने के लिए संघर्ष किया। प्रधानमंत्री ने कहा, एक साधारण पृष्ठभूमि से आगे आकर अपनी कड़ी मेहनत, समर्पण और प्रतिबद्धता से हॉकी जगत में एक विशेष पहचान बनाने तक की आपकी यात्रा उल्लेखनीय है। भारतीय महिला हॉकी इतिहास की सबसे अधिक मैच खेलने वाली खिलाड़ी बनना आपकी विशिष्ट क्षमताओं का परिचायक है। एक कप्तान के तौर पर आपकी नेतृत्व क्षमता व टीम भावना सराहनीय रही और हॉकी को नई ऊंचाईयों पर ले जाने में आपने अहम भूमिका निभायी। उन्होंने लिखा, देश का प्रतिनिधित्व करते हुए विभिन्न प्रतियोगिताओं में आपके उत्साह और टीम की आवश्यकता के अनुरुप खेल में विविधता को सराहा जाता रहा है। जूनियर महिला विश्व कप में भारत को ऐतिहासिक कांस्य पदक दिलाना हो या महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में सोने का तमगा जीतना या फिर एफआईएच महिला नेशंस कप में स्वर्ण, आपका करियर ऐसी अनेक सफलताओं से भरा हुआ है।

कटारिया ओलंपिक में हैट्रिक बनाने वाली पहली और एकमात्र भारतीय महिला हैं। पीएम मोदी ने लिखा, आपके करियर में कई ऐसे मौके आए हैं जो प्रशंसकों के जेहन में हमेशा ताजा रहेंगे। इनमें से एक 2020 तोक्यो ओलंपिक में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आपकी हैट्रिक भी शामिल है, जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

JEE Main 2025 परिणाम घोषित

-राजस्थान से सबसे अधिक टॉपर्स, 24 स्टूडेंट्स ने हासिल किए 100 परसेंटाइल

जयपुर। जेईई मेन 2025 का परिणाम शुक्रवार देर रात नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) ने जारी कर दिया है। परीक्षा दो सत्रों—जनवरी और अप्रैल—में आयोजित हुई थी। इस बार 15.39 लाख यूनिक कैंडिडेट्स ने आवेदन किया था, जिनमें से 14.75 लाख ने परीक्षा दी। साथ ही जेईई एडवांस्ड 2025 के लिए कट-ऑफ भी जारी कर दी गई है, जिसमें 2,50,236 छात्र योग्य घोषित किए गए हैं। कैंडिडेट्स अपने दोनों सत्रों के संयुक्त परसेंटाइल स्कोर और फाइनल आंसर की आधिकारिक वेबसाइट jeemain.nta.nic.in पर देख सकते हैं। इस बार 100 परसेंटाइल स्कोर करने वाले कुल 24 कैंडिडेट्स में सबसे ज्यादा 7 छात्र राजस्थान से हैं। कोटा कोचिंग हब को इस सफलता का बड़ा कारण माना जा रहा है। राजस्थान के बाद महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना से तीन-तीन टॉपर्स, दिल्ली, गुजरात और पश्चिम बंगाल से दो-दो, और कर्नाटक व आंध्र प्रदेश से एक-एक छात्र शामिल हैं। एनटीए ने स्टेट टॉपर्स की सूची भी जारी की है। करियर काउंसलर अमित आहूजा के मुताबिक, कुल 53 कैंडिडेट्स को स्टेट टॉपर घोषित किया गया है, जिनमें से 24 ने 100 परसेंटाइल स्कोर किया है। ये 24 टॉपर्स कुल 9 राज्यों से हैं, जबकि 28 राज्य और केंद्रशासित प्रदेश ऐसे भी हैं, जहां से कोई टॉपर नहीं आया।

इनमें बिहार, केरल, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु और अंडमान-निकोबार जैसे राज्य शामिल हैं। इस बार महिला अभ्यर्थियों ने भी शानदार प्रदर्शन किया है। 100 परसेंटाइल हासिल करने वालों में दो छात्राएं शामिल हैं—पश्चिम बंगाल की देवदत्ता माझी और आंध्र प्रदेश की साई मनोग्ना गुथिकोंडा। कैटेगरी वाइज देखें तो 21 टॉपर्स जनरल कैटेगरी से हैं जबकि ओबीसी, ईडब्ल्यूएस और एससी से एक-एक टॉपर हैं।

100 परसेंटाइल स्कोर करने वाले छात्रों के नाम इस प्रकार हैं:

राजस्थान: ओमप्रकाश बेहरा, सक्षम जिंदल, अर्णव सिंह, रजित गुप्ता, मोहम्मद अनस, लक्ष्य शर्मा, आयूष सिंघल
आंध्र प्रदेश: साई मनोग्ना गुथिकोंडा
दिल्ली: दक्ष, हर्ष झा
गुजरात: शिवेन विकास तोषनीवाल, अदित प्रकाश बागडे
कर्नाटक: कुशाग्र गुप्ता
महाराष्ट्र: आयुष रवि चौधरी, सानिध्य सराफ, विषाद जैन
तेलंगाना: वंगला अजय रेड्डी, बानी ब्रता माझी, हर्ष ए गुप्ता
उत्तर प्रदेश: श्रेया लोहिया, कुशाग्र बैंगाहा, सौरभ
पश्चिम बंगाल: देवदत्ता माझी, अर्चिसमान नंदी

UPI पर नहीं लगेगा GST: वित्त मंत्रालय ने अफवाहों को किया खारिज, डिजिटल पेमेंट को मिलेगा और बढ़ावा

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय की ओर से यह स्पष्ट कर दिया गया है कि सरकार 2,000 रुपए से अधिक के यूपीआई ट्रांजैक्शन पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लगाने के किसी प्रस्ताव पर विचार नहीं कर रही है। वित्त मंत्रालय ने कहा, "यह दावा कि सरकार 2,000 रुपए से अधिक के यूपीआई ट्रांजैक्शन पर जीएसटी लगाने पर विचार कर रही है, पूरी तरह से गलत, भ्रामक और निराधार है। फिलहाल सरकार के पास ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।" किसी खास इंस्ट्रूमेंट्स का इस्तेमाल कर की जाने वाली पेमेंट से जुड़े मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) जैसे चार्जेस पर लगाया जाता है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने पर्सन-टू-मर्चेंट (पीटूएम) यूपीआई ट्रांजैक्शन से 30 दिसंबर, 2019 की गैजेट नोटिफिकेशन के जरिए एमडीआर को हटा दिया है। सीबीडीटी का यह निर्णय जनवरी 2020 से प्रभावी है। मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि वर्तमान में यूपीआई ट्रांजैक्शन पर एमडीआर नहीं लगाया जाता है इसलिए इन ट्रांजैक्शन पर किसी तरह जीएसटी लागू नहीं है। सरकार यूपीआई के जरिए डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। यूपीआई के विकास को समर्थन देने और बनाए रखने के लिए, वित्त वर्ष 2021-22 से एक प्रोत्साहन योजना चालू की गई है। आधिकारिक बयान में बताया गया है कि यह योजना विशेष रूप से कम मूल्य वाले यूपीआई (पीटूएम) ट्रांजैक्शन को टारगेट करती है। योजना के तहत ट्रांजैक्शन लागत को कम करने के साथ डिजिटल पेमेंट में भागीदारी और इनोवेशन को बढ़ावा देकर छोटे व्यापारियों को लाभ होता है। पिछले कुछ वर्षों में इस योजना के तहत आवंटन में वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 1,389 करोड़ रुपये, वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 2,210 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 3,631 करोड़ रुपये शामिल हैं।इन उपायों ने भारत के मजबूत डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।वहीं, एसीआई वर्ल्डवाइड रिपोर्ट 2024 के अनुसार,2023 में ग्लोबल रियल-टाइम ट्रांजैक्शन में भारत की भागीदारी 49 प्रतिशत थी, जो डिजिटल पेमेंट इनोवेशन में ग्लोबल लीडर के रूप में देश की मजबूत स्थिति को दिखाता है। यूपीआई ट्रांजैक्शन वैल्यू में तेजी से वृद्धि दर्ज की गई है, जो वित्त वर्ष 2019-20 में 21.3 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर मार्च 2025 तक 260.56 लाख करोड़ रुपये हो गई है। बयान में कहा गया कि विशेष रूप से, पीटूएम लेनदेन 59.3 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो डिजिटल पेमेंट मेथड में बढ़ते 'मर्चेंट अडॉप्शन' और उपभोक्ता विश्वास को दर्शाता है।

पीएम मोदी 22-23 अप्रैल को सऊदी अरब दौरे पर

-रणनीतिक साझेदारी को मिलेगा नया आयाम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22-23 अप्रैल को सऊदी अरब के दौरे पर रहेंगे। उन्हें इस यात्रा का निमंत्रण क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान ने दिया है। 2016 और 2019 के बाद यह पीएम मोदी की सऊदी अरब की तीसरी यात्रा होगी। वर्ष 2023 में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस नई दिल्ली की राजकीय यात्रा पर आए थे। उन्होंने G20 शिखर सम्मेलन में भाग लिया था और भारत-सऊदी अरब रणनीतिक साझेदारी परिषद की पहली बैठक की सह-अध्यक्षता की थी। भारत और सऊदी अरब के बीच घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं।

दोनों देशों के बीच सामाजिक-सांस्कृतिक और व्यापारिक संपर्कों का लंबा इतिहास है। रणनीतिक साझेदारों के रूप में, नई दिल्ली और रियाद राजनीतिक, रक्षा, सुरक्षा, व्यापार, निवेश, ऊर्जा, टेक्नोलॉजी, स्वास्थ्य, शिक्षा, संस्कृति और लोगों के बीच संपर्कों सहित विभिन्न क्षेत्रों में मजबूत द्विपक्षीय संबंध साझा करते हैं।प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा भारत की ओर से सऊदी अरब के द्विपक्षीय संबंधों दिए जाने वाले महत्व को दर्शाती है।

यह दोनों देशों की बहुआयामी साझेदारी को अधिक गहरा और मजबूत बनाने के साथ-साथ आपसी हितों के विभिन्न क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर प्रदान करेगी। पीएम मोदी की आगामी यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब ईरान और अमेरिका अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता कर रहे हैं। आपको बता दें, उनकी यह यात्रा अगले महीने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सऊदी अरब यात्रा से पहले हो रही है। उल्लेखनीय है, भारत और सऊदी अरब ने 1947 में राजनयिक संबंध स्थापित हुए थे। 2010 में द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी में बदल दिया गया।

राज और उद्धव ठाकरे के बीच 19 साल बाद सियासी मेल के संकेत

मुंबई। महाराष्ट्र में जिन दो चचेरे भाइयों के बीच तलवारें खिंची हुई थीं, वह अब 19 साल बाद करीब आते दिख रहे हैं। कम से कम राज ठाकरे की तरफ से तो ऐसे ही संकेत दिखलाई पड़ रहे हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने कहा है कि साथ आना मुश्किल नहीं है। राज ठाकरे ने कहा है कि 'उद्धव और मेरे बीच विवाद और झगड़े मामूली हैं। महाराष्ट्र इन सबसे कहीं बड़ा है। ये मतभेद महाराष्ट्र और मराठी लोगों के अस्तित्व के लिए महंगे साबित हो रहे हैं। एक साथ आना मुश्किल नहीं है, यह इच्छाशक्ति का मामला है।' दरअसल राज ठाकरे की मनसे और उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) दोनों ही महाराष्ट्र में कक्षा 1 से 5 तक हिंदी को अनिवार्य बनाने के फडणवीस सरकार के फैसले का विरोध कर रही हैं। अब दोनों को लगता है कि विरोध के लिए एक साथ एक मंच पर आने की जरूरत है। राज ठाकरे ने कहा कि सिर्फ मेरी इच्छा या स्वार्थ की बात नहीं है। हमें बड़ी तस्वीर देखने की जरूरत है। सभी मराठी लोगों को राजनीतिक दलों से अलग होकर एक पार्टी बनानी चाहिए। वहीं उद्धव ठाकरे ने भी एक कार्यक्रम में कुछ ऐसी ही प्रतिक्रिया व्यक्त की।

उद्धव ठाकरे ने कहा कि मैं छोटे-मोटे विवादों को अलग रखने के लिए तैयार हूँ। मैं सभी मराठी लोगों से महाराष्ट्र के हित में एकजुट होने की अपील करता हूँ। लेकिन समस्या ये है कि जब हमने संसद में कहा कि उद्योगों को गुजरात में स्थानांतरित किया जा रहा है, अगर हम तब एकजुट होते, तो हम महाराष्ट्र के लिए काम करने वाली सरकार बना सकते थे। उद्धव ने कहा कि हम पक्ष बदलते नहीं रह सकते। एक दिन उनका समर्थन करते हैं, दूसरे दिन उनका विरोध करते हैं और फिर फिर से समझौता कर लेते हैं। जो कोई भी महाराष्ट्र के हितों के खिलाफ काम करता है, मैं उनका स्वागत नहीं करूंगा, उन्हें घर नहीं बुलाऊंगा, या उनके साथ नहीं बैठूंगा। पहले यह स्पष्ट हो जाए और फिर हम महाराष्ट्र के लिए मिलकर काम करें।

कांग्रेस का नया 'मायावती मॉडल' क्या है?

लखनऊ। वंचित-पिछड़ों व मुस्लिम वोट बैंक के सहारे प्रदेश में नई जमीन तलाशने का प्रयास कर रही कांग्रेस जल्द एक और प्रयोग करने की तैयारी में है। पिछड़ा वर्ग विभाग को तीन हिस्सों में बांटकर पार्टी खासकर अति पिछड़ों के नये चेहरों को आगे लगाएगी।

प्रदेश कांग्रेस ने पिछड़ा वर्ग विभाग को तीन हिस्सों में बांटकर इस वर्ग का नया नेतृत्व खड़ा करने का प्रस्ताव केंद्रीय नेतृत्व को भेजा है। वर्तमान में पिछड़ों का कोई बड़ा चेहरा कांग्रेस के पास नहीं है और पार्टी अपने खोये जनाधार को तलाशने के लिए इस वर्ग को जोड़ने पर खास जोर दे रही है।

ये है कांग्रेस का नया प्लान

इसके तहत प्रदेश को 25-25 जिलों के हिसाब से तीन हिस्सों में बांटकर पिछड़ा वर्ग विभाग के तीन अध्यक्ष व उनकी टीम खड़ी करने की तैयारी है। सूत्रों का कहना है कि एक विचार यह भी है कि एक नेता को विभाग की कमान सौंपकर उसके नेतृत्व में तीन हिस्सों में नया नेतृत्व खड़ा किया जाए। इससे पिछड़ा वर्ग विभाग में अधिक संख्या में कार्यकर्ताओं को दायित्व सौंपे जा सकेगा।

विधानसभा तैयारी में जुटी कांग्रेस

विभाग के राष्ट्रीय चेयरमैन कैप्टन अजय सिंह यादव ने बीते दिनों उप्र में पिछड़ा वर्ग विभाग की सभी इकाइयों को भंग कर इसके पुनर्गठन की घोषणा की थी। नई प्रदेश कार्यकारिणी के गठन के बाद प्रदेश में सभी प्रकोष्ठ व विभागों के विस्तार की भी तैयारी है।

विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटी कांग्रेस अपने फ्रंटल संगठनों के जरिए बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को जोड़ने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा भी बना रही है। इसके लिए वाररूम के माध्यम से जिला स्तर से सुझाव व फीडबैक लिया जा रहा है।

प्रदेश में खोये जनाधार की तलाश में कांग्रेस एक के बाद एक कई प्रयोग कर चुकी है। पार्टी अब सामाजिक न्याय व संविधान की रक्षा को मुद्दा बनाकर राजनीतिक समीकरण बदलने के प्रयास में है। यही वजह है कि जिला व शहर अध्यक्षों के चयन में भी पार्टी ने वंचित-पिछड़ों व मुस्लिम वर्ग को लगभग 65 प्रतिशत की भागीदारी देकर अपने संदेश को साफ किया था।

राष्ट्रीय स्वायं संघ के प्रमुख मोहन भागवत लगातार दौरे पर

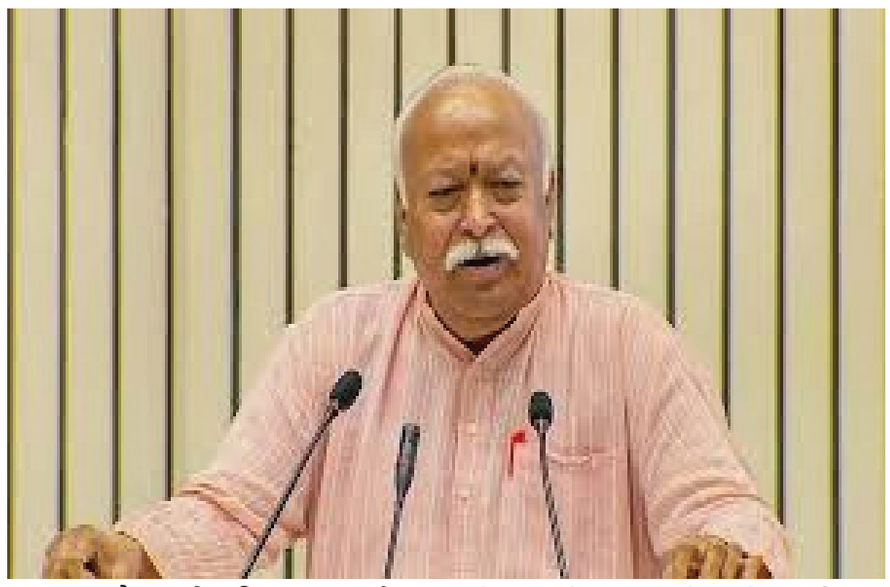

लखनऊ। बिहार में इस साल के अंत तक विधानसभा चुनाव होने हैं। इससे पहले पड़ोसी राज्य उत्तभर प्रदेश में राष्ट्रीरय स्वऊयं संघ के प्रमुख मोहन भागवत लगातार दौरे कर रहे हैं। पिछले कुछ दिनों के भीतर वह उत्तर प्रदेश बीजेपी के छह संगठनात्मक क्षेत्रों में से चार का दौरा कर चुके हैं। यूपी में 2027 में विधानसभा चुनाव होंगे। इससे पहले भगवा चुनाव मशीनरी को मजबूत करने के संघ के प्रयासों की खूब चर्चा हो रही है।

शुक्रवार को आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत अलीगढ़ के केशव सेवाधाम परिसर पहुंचे। वहां उन्होंने क्षेत्र के वरिष्ठ संघ पदाधिकारियों के साथ बैठकें कीं और जमीनी विस्तार योजनाओं की समीक्षा की। इस महीने की शुरुआत में भागवत ने काशी क्षेत्र में वाराणसी के पीएम नरेंद्र मोदी निर्वाचन क्षेत्र का दौरा किया। उसके बाद अवध क्षेत्र के लखीमपुर खीरी और लखनऊ में और फिर कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के तहत कानपुर में अपना प्रवास किया।

आरएसएस कैडर को सक्रिय करने का प्रयास

इसी तरह पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मामले में आरएसएस ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्य के अन्य वरिष्ठ नेताओं सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ एक विस्तृत समन्वय बैठक की। इन यात्राओं को आरएसएस कैडर को सक्रिय करने के लिए एक महत्वपूर्ण अभ्यास के रूप में भी देखा जा रहा है। इस साल विजयादशमी पर संघ का शताब्दी समारोह भी होना है।

पश्चिम यूपी और गोरखपुर क्षेत्र का भी दौरा कर सकते हैं भागवत

आरएसएस के सूत्रों ने बताया कि कि संघ प्रमुख का यात्रा कार्यक्रम उन शहरों के लिए तय किया गया था जहां वे गए थे। हालांकि, वह पश्चिमी उत्तर प्रदेश के एक जिले और गोरखपुर क्षेत्र के एक जिले का दौरा करेंगे या नहीं, यह अभी गुप्त है। आरएसएस के एक वरिष्ठ नेता ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश या गोरखपुर क्षेत्र के लिए उनके कार्यक्रम का अभी खुलासा नहीं किया गया है।

व्हाइट हाउस का आरोप: वुहान से फैला वायरस, सच्चाई छुपाते रहे नेता और वैज्ञानिक

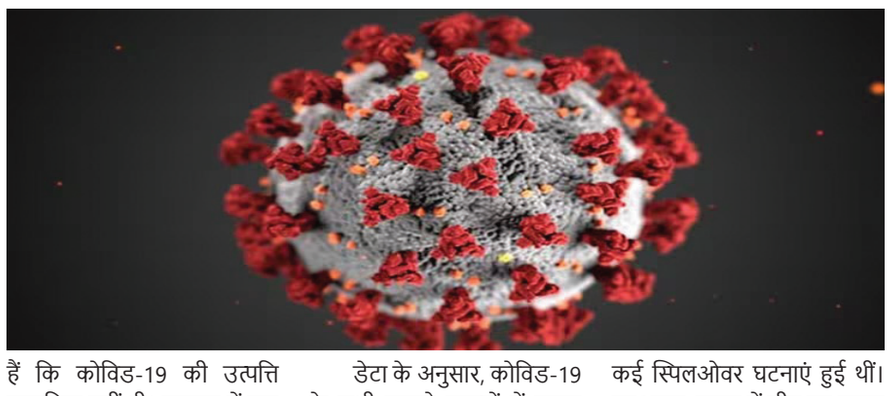

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने कल शुक्रवार को एक कोविड-19 वेबसाइट लॉन्च की, जिसमें उन्होंने कोरोना वायरस की उत्पत्ति के लिए चीन को जिम्मेदार ठहराया है। साइट के मुताबिक वुहान के एक लैब से ये वायरस लीक किया गया। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन, अमेरिका के पूर्व शीर्ष स्वास्थ्य अधिकारी एंथनी फाउसी और विश्व स्वास्थ्य संगठन को भी कोरोना वायरस की उत्पत्ति को दबाने की भी आलोचना की गई है। व्हाइट हाउस की वेबसाइट पर अब कोविड-19 लैब-लीक थ्योरी को समर्पित एक पूरा पेज है। यह घटना सीआईए द्वारा एक रिपोर्ट जारी करने के कुछ सप्ताह बाद आई है जिसमें कहा गया था कि प्रयोगशाला से लीक की आशंका है।

एजेंसी ने पहले कहा था कि उसके पास कोविड-19 की उत्पत्ति का पता लगाने के लिए पर्याप्त जानकारी नहीं है। नया वेबपेज उस साइट पर है, जो कोविड-19 टीकाकरण प्रयासों के लिए संसाधन के रूप में कार्य करती थी। अब इसमें एक बैनर है जिसमें लिखा है: "लैब लीक, द ट्रू ओरिजिन्स ऑफ कोविड-19 (यानि कोविड उत्पत्ति की सच्चाई)।" बैनर में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भी दिखाया गया है। इसमें पूर्व मुख्य चिकित्सा सलाहकार डॉ. फाउसी और बाइडेन पर कोरोना वायरस की उत्पत्ति को छुपाने का भी आरोप लगाया गया है।

इसमें कहा गया है कि पिछली सरकार ने सच्चाई को छुपाने के लिए विलंब, भ्रम और गैर-जवाबदेही का बहु-वर्षीय अभियान चलाया। व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा कि यह वेबसाइट कोविड-19 की उत्पत्ति को दर्शाती है और दिखाती है कि कैसे डेमोक्रेट्स और मीडिया ने वैकल्पिक स्वास्थ्य उपचारों और लैब-लीक थ्योरी को बदनाम किया। इसके अलावा, वेबसाइट में पांच प्रमुख बिंदुओं को सूचीबद्ध किया गया है, जो यह सुझाव देते हैं कि कोविड-19 की उत्पत्ति प्राकृतिक नहीं थी। वायरस में एक जैविक विशेषता है जो प्रकृति में नहीं पाई जाती।

डेटा के अनुसार, कोविड-19 के सभी मामले मनुष्यों में एकल प्रवेश से उत्पन्न हुए हैं, जो पिछली महामारियों के विपरीत है, जहां कई स्पिलओवर घटनाएं हुई थीं। दरअसल, वुहान में चीन का प्रमुख सार्स अनुसंधान लैब है, जिसका पर्याप्त जैवसुरक्षा के बिना गेन-ऑफ-फंक्शन अनुसंधान (जीन परिवर्तन और जीवों को सुपरचार्ज करने) का इतिहास रहा है। वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी के शोधकर्ता 2019 की शरद ऋतु में कोविड जैसे लक्षणों के साथ बीमार थे,

जो कि वेट मार्केट में कोविड-19 की खोज से महीनों पहले था। विज्ञान के लगभग सभी मापदंडों के अनुसार, यदि कोरोना वायरस की प्राकृतिक उत्पत्ति का कोई सबूत होता, तो वह अब तक सामने आ चुका होता। लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,